राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पहली बार गिल टॉप-6 बैटर | सम्पादकीय ब्रिक्स ने अमेरिका की नीतियों को दी... | इलॉन मस्क के एआई चैट-बॉट ने.... 5

वर्ष 23 ● अंक 74 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online मुरैना, गुरूवार 10 जुलाई 2025 email - hindustanexpressbhopal@gmail.com, hindustanexpresshe@gmail.com मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

ब्राजील ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से किया सम्मानित

प्रधानमंत्री बोले- ये भारत के साथ दोस्ती का प्रतीक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय ब्राजील की यात्रा पर हैं। यहां पर पीएम मोदी को राष्ट्रपति लूला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ब्राज़ील के सर्वोच नागरिक सम्मान, ग्रैंड कॉलर ऑफ़ द नेशनल ऑर्डर ऑफ़ द सदर्न क्रॉस से सम्मानित किया। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों ब्राजील के रियो द जनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। ब्रिक्स सम्मेलन से पीएम मोदी ने दुनिया भर को कई संदेश दिए। अगले साल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत करेगा। इस दौरान पीएम मोदी ने तमाम देशों को भरोसा दिलाया कि जैसे भारत ने जैसे त-20 की अध्यक्षता की, वैसे ही ब्रिक्स को नए रूप में परिभाषित करेंगे।

साथ मिलकर करेंगे कामः पीएम मोदी

पीएम मोदी ने ब्राजील में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ये सम्मान भारत ब्राजील की दोस्ती का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देश एक दूसरे के साथ मिलकर काम करेंगे। ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजकीय यात्रा के दौरान भारतीय प्रवासी समुदाय ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय प्रवासियों के इस कदम से प्रभावित होकर पीएम मोदी ने इसे यादगार स्वागत बताया और प्रवासी समुदाय की जड़ों से जुड़े रहने की भावना की सराहना की। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, ब्रासीलिया में थोड़ी देर पहले पहुंचे। भारतीय समुदाय ने एक यादगार स्वागत किया, जो एक बार फिर यह दर्शाता है कि हमारा प्रवासी कितना उत्साही है और वे अपनी जड़ों से कितने जुड़े हुए हैं। उन्होंने कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें उत्साहित प्रवासी भारत का तिरंगा पकड़े हुए हाथ जोड़कर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, ब्रासीलिया हवाई अड्डे पर बैटाला मुंडो बैंड ने कुछ अद्भुत रचनाएं प्रस्तुत कीं। उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रपति लूला और ब्राजील सरकार को उनके ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान इस मंच को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए किए गए कार्यों के लिए बधाई देता हूं।

परमार्थ न्यास के सेवाभावी लोगों को सम्मानित करेंगे न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी

15 वर्षों में 01 लाख 80 हजार मरीजों को मिला उपचार

चित्रकूट में अभी तक 2000 मरीजों को उपचार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मेजर रामकुमार शर्मा स्मृति परमार्थ न्यास के सेवाभावी चिकित्सक व्दारा 15 वर्ष के दौरान लगभग 1 लाख 80 हजार से अधिक का परीक्षण कर उपचार की सलाह दी है। इन पीड़ित मरीजों को निःशुल्क दवा भी प्रदान की गई है। इसमें उपस्थित सेवाभावी जन व्दारा पेर्ण सहयोग किया गया। सेवा के इस सफर के सफल रूप से कार्यान्वित होने पर न्यास में तन मन धन से सेवा करने वाले सेवाभावी जन का सम्मान होने जा रहा है। यह आयोजन 12 जुलाई को रॉयल पैलेस एवं वेंकट, माधौपुरा की पुलिया पर प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधिपति श्री जितेंद्र कुमार माहेश्वरी के मुख्य आतिथ्य में होगा। इस में दिल्ली, इंदौर, भोपाल, जबलपुर, चित्रकूट, सतना एवं ग्वालियर तथा मुरैना के सभी सेवाभावी जन पधार रहे हैं।

विगत 15 वर्षों से परमार्थ न्यास पर तन, मन, धन तथा 15 माह से चित्रकूट में अनेक मानस विभूतियां सेवा कार्य को कर पीड़ित मानव का कष्ट हरण करने के प्रयास में जुटे हुए हैं। चित्रकूट में भी अभी तक 2 हजार से अधिक पीड़ित मरीज का परीक्षण पश्चात उपचार किया गया है। इन सभी सेवाभावी जन तथा सभी सेवा कर्मियों का सम्मान किया जाएगा। इनमें प्रमुख रूप से कामद गिरि चित्रकूट के पीठाधीश्वर जगतगुरु श्री रामस्वरूपाचार्य जी, करह धाम के प्रमुख संत दीनबंधू जी महाराज, पूर्व आयुक्त चंबल संभाग श्रीमती रेणु तिवारी, पूर्व नगर पुलिस अधीक्षक मुरैना अमृत मीणा भी उन सेवा कर्मियों में सम्मिलित है। सभी अतिथि सम्मान के लिए अपने स्थान से 12 जुलाई को पधार रहे हैं। विदित हो कि प्रत्येक 5 वर्ष में परमार्थ न्यास की निष्काम रूप से दीन स्वरूप में भगवान श्री सीताराम जी के स्वरूप की सेवा में लगे हुए हैं। ऐसे सभी सेवाभावी जनों का सम्मान किया जाएगा। ज्ञात हो कि 2019 में उक्त कार्यक्रम मध्य प्रदेश शासन के प्रिन्सिपल सेक्रेटरी अजीत केसरी के मुख्यातिथ्य में हुआ था। यह कार्यक्रम अब 5 वर्षो के बाद हो रहा है। इसमें आए हुए अतिथियों और समानार्थ वे सभी सेवा भूषणों का परमार्थ न्यास स्वागत करेगा। आपके माध्यम से यह समाचार जन जन तक पहुँचे कि पूर्ण पवित्र भाव से तन मन धन से परमार्थ न्यास इस सेवा के विस्तार में कोई कसर नहीं छोड़ेगा परमार्थ न्यास के प्रथम सेवक श्री हनुमान जी महाराज है और उन्हीं के नेतृत्व में समस्त सेवक मिलकर इस सेवा को कर रहे हैं। इस सेवा के प्रत्येक रविवार मुरैना में अनवरत रूप से 15 बर्षो से चालू है। प्रत्येक रविवार को लगभग 250 से अधिक पीड़ित मरीज का परीक्षण कर उपचार किया जाता है। हनुमान जी महाराज की कृपा से इस कभी भी कोई विघ्न नहीं आया है और इस सेवा से मुरैना ही नहीं अपितु देशभर के लोग जुड़े हुए है जो अपने अपने भाव के अनुसार सहयोग प्रदान कर रहे हैं। मुरैना में यह सेवा सुबह 9 बजे से रविवार को प्रारंभ होकर रात के 7 बजे तक अनवरत रूप से चलती रहती है। यहां श्री सीताराम जी का राम धुन, पूजा अर्चना, रामचरित मानस का पाठ, विनय पत्रिका का पाठ, आरती की जाती है। तत्पश्चात समस्त सेवक एवं जितने भी भगवान के रूप में मरीज आते हैं उन सभी की भोजन प्रसादी की व्यवस्था रहती है। **शेष पृष्ठ 5 पर...**

गुजरात में पुल टूटा, चलती गाड़ियां नदी में गिरने से 10 लोगों की मौत, 8 को बचाया

आर.एन.एस

नई दिल्ली। गुजरात के वडोदरा में महिसागर नदी पर बना ब्रिज बुधवार सुबह टूट गया। हादसे के समय ब्रिज से गाड़ियां गुजर रही थीं। पुल टूटने पर दो ट्रक, दो कार और एक रिक्शा कुल पांच गाड़ियां नदी में गिर गईं। एक टैंकर टूटे सिरे पर फंस गया।

हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 को स्थानीय लोगों ने बचाया। फायर ब्रिगेड की तीन टीमें रेस्क्यू के लिए भेजी गई हैं। 45 साल पुराना यह ब्रिज मध्य गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ता था। पुल टूट जाने से भरूच, सूरत, नवसारी, तापी और वलसाड जैसे दक्षिण गुजरात के शहरों से सौराष्ट्र पहुंचने में ज्यादा समय लगेगा। अब इसके लिए अहमदाबाद होते हुए लंबा रास्ता लेना पड़ेगा। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है और पीएमएनआरएफ (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) से मृतकों के परिजनों को ?2 लाख और घायलों को ?50,000 की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है।

लोगों ने कहा, हादसे के लिए प्रशासन जिम्मेदार

हादसे के बाद तुरंत ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और लोगों को रेस्क्यू किया। एक स्थानीय युवक ने बताया, हम सुबह से ही बचाव अभियान चला रहे हैं। अब तक 9 शव बरामद हुए हैं, जिनमें से एक बच्चा है और एक बच्चा लापता है। इस दौरान हमें प्रशासन और अधिकारियों से कोई मदद नहीं मिली है। इनका कहना है कि 45 साल पुराने इस पुल की मरम्मत के लिए प्रशासन को कई बार सूचित किया जा चुका है। प्रशासन की तरफ से कोई कार्रवाई न किए जाने के कारण आज यह हादसा हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस हादसे के लिए पूरी तरह से प्रशासन ही जिम्मेदार है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'सदानीरा जल संसाधन बहती रहे जल की धारा' पुस्तिका का किया विमोचन

जल गंगा संवर्धन अभियान पर केन्द्रित है पुस्तिका

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मंत्रालय में जल संसाधन विभाग की ÷सदानीरा जल संसाधन बहती रहे जल की धारा÷ पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, एमएसएमई मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप भी उपस्थित थे।

यह पुस्तिका प्रदेश में इस वर्ष जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान पर केन्द्रित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान की अभूतपूर्व सफलता पर सभी संबंधितों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी नदियां, तालाब और जलस्रोत जीवन का आधार हैं। इनके संरक्षण के लिए सरकार और समाज का यह संयुक्त प्रयास न केवल अनुकरणीय है, बल्कि यह मध्यप्रदेश को जल प्रबंधन में अग्रणी बनाएगा।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ÷कैच द रेन÷ संकल्प को मूर्त रूप देते हुए %खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में% के सिद्धांत पर आधारित जल गंगा संवर्धन अभियान ने मध्यप्रदेश में जल संरक्षण को एक नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में जल संसाधन विभाग द्वारा प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून 2025 तक चलाए गए इस अभियान ने जल संरक्षण को एक जन-आंदोलन में परिवर्तित कर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज राजधानी में गुरु पूर्णिमा महोत्सव में होंगे शामिल

कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय में होगा कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 10 जुलाई को भोपाल में गुरु पूर्णिमा महोत्सव में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम तात्या टोपे नगर के कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय में दोपहर 12ः30 बजे से होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस मौके पर कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण करेंगे और विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल वितरण का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह करेंगे। इस मौके पर खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण रायमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, सांसद श्री आलोक शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक सर्वश्री रामेश्वर शर्मा, विष्णु खत्री और भगवान दास सबनानी उपस्थित रहेंगे।

निःशुल्क साइकिल वितरण

प्रदेश में इस वर्ष 2025-26 में निःशुल्क साइकिल वितरण योजना में करीब 4 लाख 30 हजार पात्र विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल वितरित की जायेंगी। इस योजना में 195 करोड़ रुपये की राशि व्यय होगी।

सांदीपनि विद्यालय के नव-निर्मित भवन का लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय के सर्व-सुविधायुक्त भवन का लोकार्पण करेंगे। यह भवन 36 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार हुआ है। भवन में सर्व-सुविधायुक्त प्रयोगशालाएँ, लायब्रेरी तथा ऑडिटोरियम निर्मित हैं। इसके अलावा उत्कृष्ट शिक्षा के लिये स्माल डिजिटल कक्षाएँ, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये निःशुल्क कोचिंग, कॅरियर काउंसिलिंग और इण्डोर-आउटडोर खेल की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। विद्यालय के आसपास के 10 किलोमीटर दूरी से आने वाले बचों के लिये निःशुल्क परिवहन की सुविधा भी उपलब्ध करायी गयी है।

प्रदेश में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा उत्सव

स्कूल शिक्षा विभाग प्रदेश के समस्त विद्यालयों में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को प्रार्थना सभा के दौरान गुरु पूर्णिमा के महत्व एवं पारम्परिक गुरु-शिष्य संस्कृति पर जानकारी दी जा रही है। विद्यार्थियों को प्राचीन काल में प्रचलित गुरुकुल व्यवस्था एवं उसका भारतीय संस्कृति में प्रभाव विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी हैं। गुरु पूर्णिमा के दूसरे दिन माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा गुरुओं के महत्व पर व्याख्यान और गुरुजनों एवं शिक्षकों के सम्मान के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

विद्युत वितरण कंपनियों के लिये 49 हजार 263 नवीन पद स्वीकृत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने माना आभार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। प्रदेश की पूर्व, पश्चिम एवं मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनियों की संगठनात्मक संरचना मंत्रि-परिषद द्वारा अनुमोदित कर दी गई है। प्रस्ताव में 49 हजार 263 नवीन पदों सहित कुल 77 हजार 298 पदों की स्वीकृति दी गई है। सभी पद नियमित है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वर्ष 2011 के बाद विद्युत कंपनियों की संगठनात्मक संरचना की स्वीकृति पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि यह मुख्यमंत्री डॉ. यादव का दूरदर्शितापूर्ण निर्णय है। इससे बिजली कंपनियां सशक्त होंगी तथा उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। साथ ही युवाओं के लिये रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि वर्तमान संविदा कर्मचारियों की सेवाएं यथावत रहेंगी।

मंत्री श्री तोमर ने बताया कि वर्ष 2011 में लगभग 91 लाख उपभोक्ता थे जबकि वर्तमान में 1 करोड़ 77 लाख उपभोक्ता हैं। उन्होंने बताया कि वितरण ट्रांसफार्मर 2 लाख 80 हजार से बढ़कर 10 लाख 61 हजार पॉवर ट्रांसफार्मर 4348 से बढ़कर 33/11 केव्ही उपकेन्द्र 2745 से बढ़कर 4409, 7818, 11 केव्ही लाइन की लंबाई 2 लाख से बढ़कर 4 लाख 50 हजार सर्किट किलोमीटर, एलटी लाइन की लंबाई 39 हजार से बढ़कर 61 हजार 600 सर्किट किलोमीटर और 13 केव्ही लाइन की 3 लाख 48 हजार से बढ़कर 5 लाख 20 हजार सर्किट किलोमीटर हो चुकी है। साथ ही तकनीकी उन्नयन के साथ विद्युत वितरण संबंधी कार्यों की जटिलता और दायित्व बढ़े हैं। इन आवश्यकताओं के अनुरूप विद्युत वितरण कंपनियों की कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने के लिये संगठनात्मक संरचना में सुधार अत्यंत आवश्यक था।

होंगी नई नियुक्तियां

स्वीकृत संगठनात्मक संरचना से लगभग 211 सहायक यंत्री, 1339 जूनियर इंजीनियर, 8094 लाइन सहायक और 20 हजार 118 लाइन परिचारक सहित अन्य पदों पर नई नियुक्तियां की जायेंगी।

डीआईजी सांघी ने कोलारस थाने पहुंचकर पुलिसकर्मियों से चर्चा की

ग्वालियर। डीआईजी ग्वालियर रेंज अमित सांघी ने अशोकनगर प्रवास के दौरान कोलारस व रन्नौद थाने पहुंचकर पुलिसकर्मियों से चर्चा की। उनको पुलिस मुख्यालय से नवीन आदेशों की जानकारी दी। साथ ही उनसे चर्चा के दौरान कार्य के समय आने वाली परेशानियों के बारे में भी विशेष रूप से जानकारी ली। रन्नौद थाने में पदस्थ एक सहायक उपनिरीक्षक अपने इलाज के लिये मेडीकल बिल लंबित होने की बात कहीं। साथ ही किसी शहरी क्षेत्र में पदस्थापना का निवेदन किया। इस तरह की चर्चा से पुलिसकर्मियों में उत्साह देखने को मिला। डीआईजी श्री सांघी ने उचित निर्णय के लिये आईजी ग्वालियर रेंज से मदद करवाने का आश्वासन दिया। सभी को जल्द ही अपने क्षेत्र का ज्ञान कर प्रभावी पुलिसिंग की समझाईश दी और पाँच सात दिनों में क्या अच्छा किया यह कई जवानों ने प्रभावी ढंग से बताया।

मैंने वर्दी को खुद पर कभी हावी नहीं होने दियाः राजेश मिश्रा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। पुलिस के नैतिक कर्तव्य कानून और व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों को रोकने और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने से कहीं अधिक हैं। पुलिस को ईमानदारी, निष्पक्षता और सार्वजनिक सेवा की उच्च भावना के साथ कार्य करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, पुलिस को जनता के प्रति सम्मान और सहानुभूति रखनी चाहिए, और अपने कार्यों में विवेक का उपयोग करना चाहिए। ये बातें पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त राजेश मिश्रा ने कहीं। श्री मिश्रा आज यहां स्थित आइकॉम सेंटर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैंने ऐसा कोई कार्य नहीं किया कि मुझे इतना बड़ा सम्मान दिया जाए। लेकिन हां! नौकरी मैंने जरूर ठाठ से की है। सेवा के दौरान मैंने कभी भी वर्दी को खुद पर हावी नहीं होने दिया। ग्वालियर-चंबल संभाग के लोगों के साथ अपने कार्यानुभव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यहां के लोग जाबांज होने के साथ-साथ सीधे-सपाट बोलने वाले हैं, दिल में कोई बात नहीं रखते। श्री मिश्रा ने कहा कि यहां के लोगों के बारे नजरिया बहुत साफ है। मेरा मानना है कि उन्हे कोई भी जिम्मेदारी दीजिए, बड़ी कुशलता के साथ उसे पूरा करते हैं। इससे पहले आईकॉम सेंटर पर श्री मिश्रा का शहर से स्थानांतरण पर उनकी विदाई में उन्हें शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक डॉ. केशव पाण्डेय ने उनके कार्यकाल के दौरान उल्लेखनीय कार्यों को गिनाया। उनका नजरिया, मिलनसार स्वभाव और कार्य के प्रति जुनून जैसे गुणों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन महेश मुदगल ने किया जबकि आभार व्यक्त किया जितेंद्र डंगरोलिया ने। कार्यक्रम में दीपक तोमर, राजेंद्र मुदगल, चंद्रशेखर शर्मा, हरिओम गौतम, गौरव शर्मा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मरठा कलार समाज के प्रतिनिधि ने एम.एल. राय से सौजन्य भेंट की

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा के राष्ट्रीय महासचिव तथा मरठा कलार समाज एवं श्री गणेश सहस्त्रबाहु मंदिर समिति भोपाल के विधि सलाहगार सम्माननीय एड. एम.एल. राय से मंगलवार को भोपाल महापौर निवास में मुलाकात की गई। मरठा कलार समाज एवं श्री गणेश सहस्त्रबाहु मंदिर समिति भोपाल प्रतिनिधि ने उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। राय साहब से मुलाकात के दौरान समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष राजन सेवईवार, मीडिया प्रभारी कोषाध्यक्ष सुधाकर राऊत, कार्यकारी सदस्य चंद्रप्रकाश धुवारे ने विशेष रूप से मौजूद रहे। मरठा कलार समाज एवं श्री गणेश सहस्त्रबाहु मंदिर समिति के सदस्यों ने राय साहब के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राय साहब मरठा कलार समाज एवं श्री गणेश सहस्त्रबाहु मंदिर समिति के प्रमुख मार्गदर्शकों में से एक है। उक्त जानकारी सुधाकर राऊत मीडिया प्रभारी मरठा कलार समाज भोपाल ने दी।

गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय शिक्षा पद्धति का आधार

बिस्मिल फाउंडेशन द्वारा आयोजित गुरुवंदन कार्यक्रम में वक्ताओं ने विचार रखे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। गुरु ही एक शिक्षार्थी में उच्च आदर्शों की स्थापना करते हैं उनमें प्रेरणा और ज्ञान का संचार कर सही मार्ग दिखाते हैं। एक शिक्षार्थी को अपने शिक्षक या गुरु के प्रति सदा आदर और कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए। गुरु-शिष्य परंपरा भारतीय शिक्षा पद्धति का आधार है, जो सदियों से ज्ञान और संस्कारों का संचार करती आई है। गुरु केवल एक शिक्षक नहीं होता, वह शिष्य का जीवन निर्माता होता है। वह ज्ञान का संप्रेषक, आचरण का आदर्श, और आत्मबोध का पथप्रदर्शक होता है। यह बिस्मिल फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. नरेश सिंह सिकरवार ने कही।

डॉ. सिकरवार बुधवार को शासकीय हाईस्कूल गलेथा परिसर में गुरु पूर्णिमा उत्सव के तहत आयोजित गुरुवंदन कार्यक्रम में पुरातन भारतीय शिक्षा पद्धति पर बोल रहे थे। इस अवसर पर शिक्षक, बिस्मिल शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा संस्थान एवं मप्र शिक्षक संघ के पदाधिकारी, प्रबुद्ध नागरिक , युवा शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि वेदव्यास जी के चित्र पर माल्यार्पण, पूजा अर्चना कर दीप प्रज्वलित के साथ हुआ। डॉ. सिकरवार ने कहा कि महर्षि वशिष्ठ और विश्वामित्र से लेकर सांदीपनि, रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद तक, हमारी परंपरा में ऐसे असंख्य गुरुओं ने समाज को दिशा दी है। विश्व में केवल भारत ही ऐसा देश है जहा पर शिक्षक अपने शिक्षार्थी को ज्ञान देने के साथ चरित्र निर्माण व जीवन मूल्य सिखाते हैं, जो विद्यार्थी में उच्च मूल्य स्थापित करने में बहुत उपयोगी है।

आज जब शिक्षा तकनीक-प्रधान हो गई है, ऑनलाइन लर्निंग, डिजिटल क्लासरूम और एआई टूल्स के दौर में गुरु की भूमिका और अधिक प्रासंगिक हो गई है।

शिक्षक विनोद सिकरवार ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सब भलीभांति जानते हैं कि देश में मशीनी मानव विकसित करने वाली इस शिक्षा की बुनियाद अंग्रेजों के शासन में पड़ी थी। मैकाले प्रणीत शिक्षा पद्धति के कारण हमारी नई पौध अपनी जड़ों से कटती चली गयी। शिवराज जालौन ने कहा कि आज के शिक्षक छात्रों से डरने लगे हैं। आर्थिक उदारीकरण ने शिक्षा जगत का कबाड़ा कर दिया है। आज जितना अधिक शिक्षा का प्रभाव बढ़ रहा है, उतना ही मानसिक प्रदूषण भी बढ़ रहा है। शिक्षा बढ़ रही है पर जीवन विद्या घट रही है। विमलेश यादव, डॉ. हरेन्द्र तोमर, जितेंद्र सिकरवार, रामबरन शर्मा, विनोद शर्मा , रघुराज परमार,रश्मि अग्निहोत्री, गिरीश शर्मा, भारत सिंह, सतंजय मिश्रा, रामावतार सिंह चंबल, रवि राजपूत, मनमोहन सिंह, शिवराज जालौन, अजय राजपूत, रामलखन सहित अनेक छात्र व गणमान्य नागरिक आदि शामिल रहे।

बीएलओ निर्वाचक नामावली को शुद्ध करने के लिये फॉर्म 6,7,8 का भलि-भांति प्रशिक्षण प्राप्त करें

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। निर्वाचन आयोग द्वारा 07 जुलाई से 13 जुलाई तक मुरैना जिले की 6 विधानसभाओं के लिये सभी बीएलओ का प्रशिक्षण निर्धारित स्थानों पर दिया जा रहा है। प्रशिक्षण को बीएलओ भलि-भांति प्राप्त करें ताकि निर्वाचित नामावली में कोई त्रुटि न हो सके। यह बात उपजिला निर्वाचन अधिकारी श्री सीबी प्रसाद ने प्रशिक्षण के दौरान बुधवार को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज मुरैना में कही। इस अवसर पर दिमनी, मुरैना और सुमावली के 50-50 बीएलओ और सुपरवाइजर मौजूद थे। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा सभी बीएलओ को निर्वाचक नामावली और चुनाव में कराये जाने वाले कार्य के लिये प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान बीएलओ बारीकियों को सीखें, समझ न आये तो मास्टर ट्रेनर्स से बार-बार पूछें। निर्वाचन जैसे कार्य में किसी प्रकार की गलती क्षम्य नहीं होगी।

फॉर्म 6 भरने के लिए दिशा निर्देश

आवेदक फॉर्म अंग्रेजी या राज्य की आधिकारिक भाषा में भर सकता है। आवेदक द्वारा हाल ही में खींची गई अच्छी गुणवत्ता वाली पासपोर्ट आकार की रंगीन फोटो सफेद पृष्ठभूमि के साथ दिए गए स्थान पर चिपकाई जानी चाहिए। आवेदक का सही नाम राज्य की आधिकारिक भाषा और अंग्रेजी दोनों में भरा जाना चाहिए। जेंडर पुरुष, महिला, थर्ड जेंडर के लिए दिए गए उपयुक्त बॉक्स में लिंग को स्पष्ट रूप से टिक किया जाना चाहिए।

फॉर्म में उल्लिखित दस्तावेजों में से किसी एक की स्व-सत्यापित प्रति आयु प्रमाण के रूप में संलग्न की जा सकती है। यदि फॉर्म में उल्लिखित कोई भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं है, तो आवेदक को आयु प्रमाण के समर्थन में कोई अन्य दस्तावेज संलग्न करना चाहिए। जब किसी आवेदक के पास आयु-प्रमाण दस्तावेज न हों, तो माता-पिता या गुरु (थर्ड जेंडर के आवेदकों के लिए) से निर्धारित प्रारूप में शपथ या प्रतिज्ञान स्वीकार करें।जो आवेदक 21 वर्ष से अधिक आयु के प्रतीत होते हैं, और उनके पास आयु से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं है तो उनसे आयु के सम्बंध में स्वघोषणा प्राप्त करें।

सामान्य निवास के प्रमाण के रूप में आवेदक/माता-पिता/पति/पत्नी के नाम से उल्लिखित दस्तावेजों में से किसी एक की स्व-सत्यापित प्रति के साथ पिन कोड सहित पूरा डाक पता उल्लेख किया जाना चाहिए।शेड/फुटपाथ पर रहने वाले बेघर भारतीय नागरिकों और यौनकर्मियों के मामले में आवश्यक फील्ड सत्यापन किया जाएगा, जिनके पास सामान्य निवास का कोई दस्तावेजी प्रमाण नहीं है। (बेघर विदेशी नागरिक निर्वाचक नामावली में पंजीकृत न हो सके, इसके लिए बूथ लेवल अधिकारी ऐसे व्यक्ति का बयान जिसमें उसके जन्म स्थान, पूर्व निवास-स्थान तथा वर्तमान स्थान पर आने के कारणों के बारे में ब्यौरा दर्ज करके संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्रस्तुत करेगा।) छात्र, जो नामांकन के लिए पात्र हैं, उन्हें या तो उनके माता-पिता के घर या छात्रावास/मेस में नामांकित किया जा सकता है, जहाँ वे सामान्य रूप से रह रहे हैं।

फॉर्म 6 (क) भरने के लिए दिशा-निर्देश

विदेश में रहने वाला प्रत्येक भारतीय नागरिक, जिसने किसी अन्य देश की नागरिकता प्राप्त नहीं की है, तथा योग्यता तिथि को 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है, वह पासपोर्ट में उल्लिखित भारत में अपने निवास स्थान वाले इलाके से संबंधित निर्वाचन क्षेत्र की नामावली में पंजीकृत होने के लिए प्रपत्र 6 (क) में आवेदन कर सकता है। आवेदन सीधे निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) को जमा किया जाना चाहिए, जिसके अंतर्गत आवेदक का सामान्य निवास स्थान आता है, जैसा कि वैध पासपोर्ट में दिया गया है।

फॉर्म 7 भरने के लिए दिशा-निर्देश

आवेदक का स्वयं का नाम निर्वाचक नामावली से हटवाने के लिए निर्वाचक नामावली में दर्ज किसी निर्वाचक के नाम पर आपत्ति दर्ज करने के लिए निर्वाचक नामावली में दर्ज होने वाले किसी संभावित निर्वाचक के नाम के बारे में आपत्ति दर्ज करने के लिए 'घोषणा' भाग में सभी प्रविष्टियाँ सभी मामलों में पूरी होनी चाहिए। घोषणा भाग में दिया गया कोई भी गलत बयान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत एक दंडनीय अपराध है, जिसमें एक वर्ष तक की कैद या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

फॉर्म 8 भरने के लिए दिशा-निर्देश

निवास स्थान बदलने या निर्वाचक नामावलियों में प्रविष्टियों में सुधार करने या प्रतिस्थापन म्च्ब् जारी करने या दिव्यांग के रूप में चिह्नित होने के लिए निवास स्थान परिवर्तन के लिए पंजीकृत निर्वाचक को आवेदन उस निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी को करना होगा जिसमें निर्वाचक का नया पता स्थित है तथा वर्तमान में रह रहा है। 'घोषणा' भाग में सभी प्रविष्टियाँ सभी मामलों में पूरी होनी चाहिए। घोषणा भाग में दिया गया कोई भी गलत बयान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत एक दंडनीय अपराध है, जिसमें एक वर्ष तक की कैद या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

कलेक्टर ने सौपा अनुकंपा नियुक्ति आदेश

श्योपुर। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा काफी समय से लंबित अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरण में संवेदनशीलता एवं तत्परता से कार्यवाही करते हुए श्री महेन्द्र जाटव पुत्र स्व. श्री गोकुल जाटव निवासी कराहल जिला श्योपुर को कलेक्टर कार्यालय श्योपुर में सहायक ग्रेड-3 के रिक्त पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करते हुए नियुक्ति आदेश सौपा गया।

महेन्द्र जाटव को कलेक्टर कार्यालय श्योपुर की राजस्व स्थापना के अंतर्गत सहायक ग्रेड-3 पद पर अनुसूचित जाति प्रवर्ग में नियुक्त किया गया है। श्री महेन्द्र जाटव के पिता स्व. श्री गोकुल जाटव शासकीय प्राथमिक विद्यालय कटिला में प्राथमिक शिक्षक के रूप में पदस्थ थे, जिनकी मृत्यु वर्ष 2021 में हो गई थी।

जटायु ने अपने प्राणों की बाजी लगाकर माता जानकी को बचाने का किया था प्रयासः संजय कृष्ण शास्त्री

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। बालाजी धाम कैला माता दरबार में चल रही श्री राम कथा का प्रसंग सुनाते हुए कथा व्यास पं. संजय कृष्ण शास्त्री कैथोदा ने अपने मुखारविंद से कथा का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जटायु ने अपने प्राणों की बाज़ी लगाकर माता जानकी को बचाने का प्रयास किया।

08 जुलाई की कथा में प्रभु श्रीराम ने चित्रकूट से आगे की यात्रा की। अत्रि के आश्रम पगु धारा। आगे प्रभु पंचवटी निवास करते हैं वहां माता जानकी का हरण रावण के द्वारा होता है तो जटायु जी अपने प्राणों की बाजी लगाकर माता जानकी की रक्षा करने का प्रयास करते हैं, किंतु रावण के द्वारा जटायु जी के पंख काट दिए जाते हैं उससे जटायु पृथ्वी पर गिर जाता है। भगवान ने आकर जटायु की समस्त पीड़ा को हरा और अपने हाथों से अंतिम क्रिया करके जटायु जी को अपने धाम भेजा। आगे प्रभु गए हैं शबरी को नवधा भक्ति का पाठ पढ़ाया है ,प्रथम भगति संतनि कर संगा दूसरि रति मैं कथा प्रसंगा ।। -- और नवधा भक्ति के माध्यम से सुंदर शिक्षा दी श्री ।।शबरी भगवान के चरणों में अपने आप को निवेदित कर देती है , शबरी से भगवान ने कहा कि दुष्ट निशाचर रावण ने हमारी पत्नी जानकी का हरण किया है हम उन्हें खोज रहे हैं तो अब हम उनकी खोज के लिए कहां जाएं शबरी ने भगवान को बताया भगवन आप पंपा सरोबर जाएं रिष्यमूक पर्वत पर जाकर सुग्रीव से मित्रता करो और सुग्रीव जानकी जी को खोजने में आपकी सहायता करेंगें। श्री हनुमान जी प्रभु श्री राम के समक्ष ब्राह्मण देश में आते हैं और प्रभु श्रीराम को पहचान कर अपने स्वरूप में श्री हनुमान जी आकर भगवान को प्रणाम करते हैं।

रात में मौके पर पहुंचे कलेक्टर, स्थिति का जायजा लिया

कोटा बैराज से नहर बंद, सर्वे के निर्देश

श्योपुर। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने अर्द्ध रात्रि को मौके पर पहुंचकर चंबल नहर का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से चर्चा कर स्थिति का जायजा लिया तथा पानी से होने वाले नुकसान के आंकलन के लिए पटवारियों के माध्यम से सर्वे कराये जाने के निर्देश दिये गये। इस दौरान पूर्व विधायक श्री बृजराज सिंह चौहान, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जाट, एसडीएम श्री बीएस श्रीवास्तव, तहसीलदार श्रीमती मनीषा मिश्रा, ईई जल संसाधन श्री चेतन्य चौहान सहित पुलिस एवं होमगार्ड, एसडीआरएफ की टीम आदि मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि टर्रामाफी एवं बगवाडा के बीच 45.70 किलोमीटर पर चंबल दाहिनी मुख्य नहर ब्रेक हो गई है, इसकी सूचना पर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होने बताया कि पानी से हुए नुकसान का आंकलन कराया जा रहा है तथा जिनका भी नुकसान हुआ है, उन्हें उचित मुआवजा प्रदान किया जायेगा।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार कोटा बेराज से नहर को बंद कर दिया गया है, 100 किमी पर नहर के पानी को कल रात से ही इस्केप किया गया और नहर टूटने के स्थान से ऊपर की साइड में स्थित डिस्ट्रीब्यूटर में पानी को डायवर्ड करने की कार्यवाही की गई। जल संसाधन विभाग के ईई श्री चौहान ने जानकारी दी कि बगवाडा एवं टर्रामाफी के बीच नहर का हिस्सा टूट गया है, वर्तमान में नहर में चल रहे पानी को डायवर्ड कर दिया गया है तथा नहर बंद भी करा दी गई है। उन्होने बताया कि चंबल सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की टेस्टिंग के लिए 1 हजार क्यूसेक पानी नहर में छोडा गया था। उन्होने बताया कि किसी प्रकार की कोई गंभीर क्षति नही हुई है। नहर बंद होते ही नहर की मरम्मत का कार्य 15 दिन में पूर्ण कर लिया जायेगा। आज जल संसाधन विभाग के सीई श्री एसके वर्मा ने भी नहर टूटने वाले स्थान का निरीक्षण किया।

पानी से हुए नुकसान का सर्वे कराया जा रहा है

एसडीएम श्री बीएस श्रीवास्तव ने बताया कि नहर टूटने के कारण पानी से हुए नुकसान का आंकलन पटवारियों के माध्यम से कराया जा रहा है तथा जल्द ही सर्वे रिपोर्ट कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा को प्रस्तुत कर दी जायेगी। उन्होने बताया कि नहर टूटने से समीपस्थ ग्राम के कुछ घरो में पानी आ गया था, जो कि अब उतर गया है, जिन घरो में पानी से घर-गृहस्थी के सामान आदि की क्षति हुई है, उसका आंकलन करने के लिए सर्वे कराया जा रहा है।

मुस्लिम प्रतिनिधियों ने स्वागत कर जताया आभार

श्योपुर। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के कुशल नेतृत्व में शांति, सौहार्द एवं सद्भावपूर्ण माहौल में संपन्न हुए मोहर्रम पर्व के लिए मुस्लिम प्रतिनिधियों द्वारा आज कलेक्ट्रेट पहुंचकर आभार जताते हुए स्वागत किया गया। इस अवसर पर हज कमेटी जिला अध्यक्ष श्री सैयद सलीम जावेद अली, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री अकरम खान, अल्पसंख्यक मोर्चा उपाध्यक्ष श्री जाकिर कुरैशी, अल्पसंख्यक मीडिया प्रभारी श्री समीर पठान, मदरसा बोर्ड पूर्व जिला अध्यक्ष श्री जाहिद अंसारी, श्री वसीम खान आदि उपस्थित रहें। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा मोहर्रम पर्व के दौरान शांति समिति में लिये गये निर्णय अनुरूप किये गये विभिन्न प्रबंधो तथा व्यवस्थाओं के लिए मुस्लिम प्रतिनिधियों द्वारा आभार जताते हुए साफा पहनाकर तथा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया, साथ ही मुस्लिम समुदाय से जुडी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई।

हास्य कवि तेज नारायण शर्मा को 26 जुलाई को मिलेगा प्रेमवाणी सम्मान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। नगर की प्रतिभा हास्य व्यंग लोकप्रिय कवि देश विदेश में अपने हास्य व्यंग्य से हजारों लोगों को गुदगुदाने वाले तेज नारायण शर्मा बेचैन को प्रेमवाणी सम्मान से 26 जुलाई को नवाजा जाएगा। उत्तर प्रदेश के मेरठ में यह सम्मान तेज नारायण को जग सिद्ध स्वामी श्री श्री 1008 चिदानंद जी महाराज के कर कमल से दिया जाएगा। सम्मान स्वरूप शर्मा को सम्मान मूर्ति 151000 रुपए नगद सम्मान राशि सम्मान पत्र अंग वस्त्रम् एवं उपहार निधि प्रदत्त की जाएगी। अपने सटीक और स्फूर्ति व्यंग्यों से देश दुनिया के मंचों पर श्रोताओं का सहज सम्मान बटोरने वाले काका हाथरसी हास्य रतन पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से पुरस्कृत तेज नारायण शर्मा पहले हास्य व्यंग्य कवि हैं, जिन्हें या सम्मान प्रदान किया जाएगा। इससे पूर्व यह सम्मान ओजस्वी कवि और लाभ गीत ऋषियों के कवियों संतोष आनंद, बलवीर सिंह, करण नरेंद्र मिश्र, जमुना प्रसाद उपाध्याय, स्व. कृष्ण मित्र जैसी यशस्वी एवं समर्थ कवियों को सम्मान से नवाजा जा चुका है। चयन की इसी श्रृंखला में चयन समिति द्वारा इस वर्ष इस पुरस्कार के लिए हास्य व्यंग के ख्याति प्राप्त कवि तेज नारायण शर्मा को चुना गया है। निश्चित रूप से जौरा क्षेत्र के लिए तेज नारायण को सम्मान मिलना हर्ष के साथ-साथ गौरव की भी बात है।

सात शनिवार की नियमित परिक्रमा से होता है समस्याओं का निदान वनखंडी सरकार निखिल धाम गैपरा में

मुरैना/जौरा। यह कोई कहानी नहीं यथार्थ है।बता दूं कि मध्य प्रदेश के मुरेना जिले की जौरा तहसील में स्थित वनखंडी सरकार निखिल धाम गैपरा पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद की तपस्थली व श्री हनुमान जी का एक सिद्ध स्थान है जहां हर शनिवार को दर्शनार्थियों की बहुत बड़ी भीड़ होती है।वास्तव में मान्यता है कि यहां विराजमान हनुमान जी की प्रतिमा की जो लगातार सात शनिवार आ कर परिक्रमा करले उसके सारे मनोरथ पूर्ण हो जाते हैं ।यहां तक कि असाध्य रोगों से भी मुक्ति मिल जाती है।

निर्जन स्थान में विद्यमान इस मूर्ति के सम्बंध में पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद जी महाराज का कहना है कि यहां पर विराजमान हनुमान जी की यह मूर्ति सैकड़ों वर्ष पुरानी है जो कभी इस निर्जन स्थान पर मौजूद थी ।बताया जाता है कि पहले भी लोग यहां आकर परिक्रमा देकर अपना मनोरथ सिद्ध किया करते थे और आज भी भक्तों की अटूट श्रद्धा फलीभूत हो रही है ।महाराज श्री का कहना है कि मैं यहां 1995 ई. में आया हूं तो एक नीम का पेड़ था वहीं हनुमान जी की यह छवि विराजमान थी शेष स्थान घोर जंगली झाड़ियों से घिरा था जो धीरे धीरे अब विशाल आश्रम का रूप ले चुका है । महाराज श्री के आने के बाद से स्थान का विकास होने लगा और आज पत्थर से मंदिरों का निर्माण लगभग पूर्णता की ओर है। हनुमान जी के साथ हीश् राम दरबार, माँ काली, स्फटिक शिवलिंग शिव परिवार के साथ, माँ लक्ष्मी, भुवनेश्वरी व वाग्देवी सरस्वती के साथ साथ स्फटिक व अष्टधातु का श्री यंत्र विराजमान हैं आम जनमानस के दर्शन व पूजन अर्चन के लिए खुला रहता है । यहां सावन के महीने में काफी भीड़ भाड़ दर्शनार्थियों और कांवड़ियों की रहा करती ।लोग अपनी की पूर्ति हेतु शंकर जी पर विभिन्न पदार्थों से वैदिक मंत्रों के साथ अभिषेक कराते हैं ।नव रात्रि में देवी अर्चन व पाठ का कार्यक्रम चलता है और कन्यापूजन अर्चन के बाद विशाल भंडारे के साथ विराम हैता है ।गुप्त नव रात्रि में भी साधक गण यहां कर साधने करते हैं।

पराली फ्री डिस्ट्रिक्ट बनाने की ओर कदम बढायें-कलेक्टर

श्योपुर। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने कहा है कि पराली फ्री डिस्ट्रिक्ट बनाने की ओर सभी के समन्वय के साथ आगे कदम बढाये जायें, सभी मिलकर श्योपुर को पराली मुक्त बनाने के लिए पराली का उपयुक्त प्रबंधन किया जायें, इस संकल्प को पूरा करने में बडे किसानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पराली प्रबंधन को लेकर आयोजित किसानों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, उप संचालक कृषि श्री जीके पचौरिया, डीपीएम एनआरएलएम श्री सोहनकृष्ण मुदगल, उप संचालक पशुपालन डॉ सुभाषबाबू दौहरे, सहायक संचालक उद्योग श्री शुभम अग्निहोत्री सहित कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी तथा प्रगतिशील किसान एवं किसान संघ के प्रतिनिधि तथा बायोफ्यूल के रूप में पराली का उपयोग करने वाले उद्यमी आदि उपस्थित थे। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने कहा कि श्योपुर जिले के बडे किसान सबसे पहले पराली प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करें तथा बेलर, सुपर सीडर, हैप्पी सीडर आदि का उपयोग कर पराली से भूसा अथवा बंडल बनाने का कार्य किया जायें। इसके लिए कृषि अभियांत्रिकी विभाग के माध्यम से 50 प्रतिशत राशि का अनुदान भी दिलाया जायेगा। उन्होने कहा कि बेलर यूनिट के लिए एक करोड रूपये तक का कस्टम हायर सेंटर स्थापित किया जा सकता है, इसमें भी शासन की ओर से सबसिडी दिलाने की प्रक्रिया की जायेगी। इसके साथ ही बेलर खरीदने के लिए बैंक के माध्यम से ऋण भी उपलब्ध कराये जायेगे। उन्होने किसानों को जानकारी दी कि जिले में पराली एवं नरवाई से बायोफ्यूल बनाने के आधा दर्जन के लगभग उद्योग लगे हुए है, जिनसे चर्चा की गई है तथा वे 200 रूपये प्रति क्विंटल की दर से पराली खरीदने के लिए तैयार है, इसके लिए अनुबंध भी कराया जायेगा। उन्होने डीपीएम एनआरएलएम श्री मुदगल को निर्देश दिये कि स्वसहायता समूहों के माध्यम से लगभग 100 यूनिट बेलर, सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, स्मार्ट सीडर क्रय करने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाये।

शहर की सड़कों की मरम्मत के लिये सरकार ने दिये 3 करोड़ रूपये

- प्रभारी मंत्री ने मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर दिलाई मंजूरी

ग्वालियर। शहर की सड़कों की खराब हालत को देखते हुये राज्य सरकार ने नगर निगम को 3 करोड़ रूपये की राशि दी है। जिससे बरसात में खराब सड़कों को जल्द से जल्द ठीक कराया जा सकें। पिछले दिनों में शहर की चेतकपुरी, फूलबाग, शिंदे की छावनी, दौलतगंज, सचिन तेंदूलकर सहित कई सड़कें बुरी तरह जर्जर हालत में हो गई है। इससे शहरवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दिनों प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने निगमायुक्त संघ प्रिय के साथ सड़कों का बारीकी से निरीक्षण किया था।

जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से ग्वालियर की सड़कों की मरम्मत के लिये राज्य शासन की ओर से शीघ्र मदद करने का आग्रह किया था।

जिसके परिपालन में ग्वालियर को तत्काल प्रभाव से सड़कों के सुधार हेतु 3 करोड़ रूपए की राशि मंजूर की गई है। प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने गत दिनों ग्वालियर भ्रमण के दौरान शहर की विभिन्न सड़कों का निरीक्षण कर उसे यथाशीघ्र ठीक करने के दिशा-निर्देश दिए थे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर ग्वालियर को सड़कों के सुधार हेतु धनराशि देने का आग्रह किया था। प्रभारी मंत्री ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ ही नगरीय प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे एवं आयुक्त नगरीय प्रशासन संकेत भोंडवे से भी मुलाकात कर ग्वालियर को सड़कों के सुधार हेतु शीघ्र धनराशि प्रदान करने के संबंध में चर्चा की थी। प्रभारी मंत्री सिलावट ने ग्वालियर नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय से भी दूरभाष पर चर्चा कर कहा है कि शासन द्वारा ग्वालियर की सड़कों की मरम्मत हेतु धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। इस राशि से शहर की उन सड़कों को प्राथमिकता पर ठीक किया जाए जो बरसात के कारण खराब हो गई हैं। शहर के आमजनों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिये निगम भी युद्धस्तर पर कार्य कर सड़कों का सुधार करें।

बारिश ने तीन दिन बाद भिगोया शहर

ग्वालियर। बुधवार की शाम को शहर में झमाझम बारिश शुरू हुई तो मौसम का नजारा बदल गया। बूंदाबांदी शुरू होते ही तापमान में गिरावट आ गई। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं सड़कों पर जगह जगह पानी भर गया। नाले नालियों सभी उफान पर आ गये। उधर बारिश के कारण रात में सड़कों पर यातायात प्रभावित हो गया। जगह जगह जाम लगने की स्थिति भी निर्मित हो गई। उंटपुल, नदी गेट, पड़ाव दमकल विभाग का कार्यालय व बलभवन के आसपास स्टेडियम रोड और यूनिवर्सिटी रोड, गोविंदपुरी चौराहा, महलगांव रोड सहित एक दर्जन स्थानों पर मार्ग बाधित हो गया।

हालांकि बुधवार की शाम को हुई बारिश से किसानों के चेहरे खिल गये, क्योंकि अभी तीन दिन से बारिश नहीं हो रही थी। उमस ने सभी को परेशान कर रखा था। हर कोई झमाझम बारिश का इंतजार कर रहा था। आखिर बुधवार की शाम को साढ़े छह बजे बारिश का दौर शुरू हुआ जो देर रात तक जारी रहा। भोपाल मौसम वैज्ञानिक डी अरूण शर्मा ने बताया कि आगामी

- अब आगामी दो दिन बारिश के लिये ओरेंज अलर्ट
- गर्मी से राहत, सड़कों पर भरा पानी, जगह जगह लगा जाम

दो दिन अच्छी बारिश की संभावना बनी हुई है। जिसके चलते ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ग्वालियर, शिवपुरी के उपर से ट्रफ लाईन गुजर रही है। जिसका प्रभाव आगामी दिनों तक रहेगा। शर्मा ने बताया कि प्रदेश स्तर पर 72 प्रतिशत अधिक बारिश हो गई है। जबकि ग्वालियर जिले में 9 जुलाई तक 146 मिमी मासिक बारिश तो वही एक जून से अब तक 397.6 मिमी बारिश रिकार्ड की गई है, जो कि बीते साल से भी अधिक हो चुकी है। स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार बीते दिन मंगलवार को दिन का तापमान 35.6 डिसे आंका गया। यह सामान्य से 1.2 डिसे मायनस में दर्ज हुआ। जबकि बुधवार को 2.9 अंक घटकर अधिकतम तापमान 32.7 डिसे आंका गया। यह सामान्य से 4.1 डिसे मायनस में दर्ज हुआ। इसी तरह बीते दिन मंगलवार को न्यूनतम तापमान 27.6 डिसे दर्ज हुआ तो वही बुधवार को 1.7 अंक बढ़कर 29.3 डिसे आंका गया। यह सामान्य से 1.7 डिसे अधिक आंका गया। बुधवार को सुबह की आर्दता 82 प्रतिशत तथा शाम की आर्दता 83 प्रतिशत आंकी गई।

रात व दिन के तापमान में केवल 3 डिग्री का अंतर

बुधवार को रात व दिन के तापमान में केवल 3 डिग्री का अंतर रह गया है। अधिकतम तापमान 32.7 डिसे रिकार्ड हुआ था। जबकि बुधवार को न्यूनतम तापमान 29.3 डिसे आंका गया। इस तरह दोनों तापमान के बीच केवल 9.4 डिसे का अंतर रह गया है।

शासकीय स्कूलों का किया आकस्मिक निरीक्षण, शिक्षकों को नोटिस जारी

ग्वालियर । जिले में शासकीय स्कूलों में समय पर शिक्षक पहुँचें और छात्र-छात्राओं को शिक्षा का बेहतर माहौल मिले, इसके लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर बुधवार को जिले के 19 राजस्व अधिकारियों ने कुल 36 स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुल 108 शिक्षक स्कूलों में अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित पाए गए शिक्षकों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा अनुपस्थित पाए गए सभी शिक्षकों को

कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय में शिक्षकों से जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया है। अनुपस्थित पाए गए शिक्षकों से जवाब प्राप्त होने के पश्चात नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। कलेक्टर श्रीमती चौहान के निर्देश पर बुधवार को जिले के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार एवं अन्य विभागीय अधिकारियों द्वारा शासकीय स्कूलों का निरीक्षण किया गया है।

पीडब्ल्यूडी की गोलघर बिल्डिंग पर व्यावसायिक गतिविधियां होने के चलते मुख्य अभियंता ने दिए एफआईआर के निर्देश

ग्वालियर। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सरकारी भवन में अनाधिकृत रूप से रूम और हॉल की किराए पर बुकिंग के मामले में विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, ग्वालियर परिक्षेत्र द्वारा कार्यपालन यंत्री संभाग क्रमांक 1 डीएस भदौरिया को पत्र जारी कर दो दिन में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश जारी किए हैं।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि भोपाल कार्यालय से पूर्व में जारी निर्देशों के बावजूद अभी तक कोई वैधानिक कार्यवाही नहीं की गई है, जो अनाधिकृत गतिविधियों को संरक्षण देने जैसा है। पड़ाव स्थित गोलघर बिल्डिंग का व्यवसायिक उपयोग कर उसे क्षति पहुंचाई जा रही है। मुख्य अभियंता ने स्पष्ट किया कि फोटो में दिख रहे व्यक्तियों सहित जिम्मेदारों पर कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की जाए। यदि निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं हुई, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध

अनुशासनात्मक कार्यवाही का प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। इस आशय का पत्र जारी होने के बाद विभाग में प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है।

शिकायत पर मंत्री के विशेष सहायक ने दिए जांच के निर्देश

भाजपा के जिला उपाध्यक्ष कनवर मंगलानी की शिकायत पर लोक निर्माण मंत्री के विशेष सहायक ने मुख्य अभियंता को निर्देशित किया कि पड़ाव स्थित गोलघर बिल्डिंग को ध्वस्त कर नवीन निर्माण कार्य कराकर व्यावसायिक गतिविधियों में उपयोग करने के मामले में 15 दिन में जांच कर प्रतिवेदन दें। मुख्य अभियंता ने कार्यपालन यंत्री एवं अधीक्षण यंत्री को जांच कर प्रतिवेदन मांगा। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में सामने आया कि भवन मूलरूप में नहीं है। इसे बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के तोड़कर नवीन निर्माण कराया गया है। साथ ही भवन का म.प्र डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसियेशन को तथाकथित आवंटन पत्र भी परीक्षण उपरांत निरस्त किया गया है। कार्यपालन यंत्री ने यह भी कहा कि संगठन को अपनी गतिविधि संचालित करने के लिए म.प्र. शासन अधिकृत है। शासन की अनुमति के बिना आवंटन जारी नहीं किया जा सकता।

प्रमुख अभियंता ने कहा - कलेक्टर से लें सहायता

प्रमुख अभियंता ने मुख्य अभियंता को निर्देशित किया कि शासकीय भवन के अनाधिकृत कब्जे के हटवाने के लिए वैधानिक कार्यवाही करें। साथ ही यदि आवश्यक हो तो कलेक्टर को अवगत कराते हुए यथासंभव कलेक्टर से सहायता प्राप्त करें और की गई कार्यवाही से अवगत कराएं।

नालों पर बनाए गए रैम्प एवं चबूतरों को हटाया

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा शहर में जलभराव वाले स्थानों को चिन्हित

कर जल निकासी में बाधक एवं नालों पर बने अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही अभियान चलाकर की जा रही है। जिसके तहत बुधवार को वार्ड 1 बहोडापुर पर नाले से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।

सिटी प्लानरएपीएस जादौन ने बताया कि नालों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। जिसके तहत बुधवार को वार्ड 1 जेल रोड बहोड़ापुर पंजाब नेशनल बैंक से बहोड़ापुर पुलिया तक नाले पर 27 भवनो, दुकानों के सामने अतिक्रमण कर बनाये गए रेम्प, चबूतरे, पटाव को कार्यवाही कर हटाया गया। कार्यवाही में सहायक सिटी प्लानर महेंद्र अग्रवाल, भवन अधिकारी यशवंत मैकले, क्षेत्राधिकारी क्षेत्र क्र. 01 विशाल गर्ग, मदाखलत गैंग एवं पुलिस बल उपस्थित रहा।

टेंट लगाने के दौरान दबकर युवक की मौत

– मृतक के परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर किया जाम

ग्वालियर। ताजिया के लिए टेंट लगाते समय एक युवक गिर गया और टेंट के सामान के नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। घटना देर रात बहोड़ापुर इलाके की है। हादसे का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिये भिजवाकर मर्ग कायम कर जांच शुरू की तो जांच के दौरान कुछ लोगों का कहना है कि वह लाइट का काम कर रहा था करंट लगने से गिरकर मौत हुई है। मृतक के शव का पीएम कराकर जब उसके शव को पुलिस ने परिजनों को सौंपा तो आक्रोशित परिजनों ने बुधवार की दोपहर शव को चौराहे पर रखकर जाम लगा दिया। हंगामा और चक्काजाम की सूचना मिलते ही बहोड़ापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के परिजनों को समझाने का प्रयास किया। चक्काजाम कर रहे मृतक के परिजनों की मांग थी कि लापरवाही से टेंट का काम कराने वाले ठेकेदार पर कार्रवाई

की जाये और मृतक की मौत की निष्पक्ष जांच कराई जाए। पुलिस ने मृतक के परिजनों को समझाकर मदद का आश्वासन दिया। इसके बाद हंगामा कर रहे लोग सड़क से हट गये।

बहोड़ापुर थाना क्षेत्र में रहने वाले मोनू मौर्य की हादसे में मौत हो गई। मोनू अपने घर में अकेला कमाने वाला था। वह मजदूरी करता था और लाइट का काम भी जानता था। मंगलवार रात को उसे एक टेंट कारोबारी काम कराने के लिए ले गया था। टेंट कारोबारी को बहोड़ापुर इलाके में ताजिया के लिए टेंट लगाना था और लाइट भी लगानी थी। देर रात काम करते समय मोनू अचानक ऊपर से गिरा और टेंट व ताजिया का पूरा सामान उसके ऊपर आकर गिरा। जिसमें दबकर मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मोनू को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से मोनू के परिजनों में आक्रोश फैल गया और बुधवार दोपहर को पुलिस ने जब मोनू के शव का पोस्टमार्टम कराकर उसके परिजनों को सौंपा तो मृतक के परिजनों ने बहोड़ापुर चौराहा पर शव रखकर जाम लगा दिया। शव सड़क पर रखकर जाम की सूचना मिलते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सुनील शर्मा भी मौके पर पहुंचे और परिजनों की समस्या को थाना प्रभारी के समक्ष रखा एवं जांच कर कार्यवाही के लिए कहा। परिजनों ने बताया कि मृतक मोनू मौर्य मंगलवार रात के समय काम पर गया था। काम करते समय अचानक से गिरा और उसकी मौत हो गई है। पुलिस काम कराने ले जाने और लापरवाही से काम कराने वाले टेंट कारोबारी पर कार्रवाई क्यों नहीं की। पुलिस ने मृतक के परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन दिया तब जाकर वह सड़क से हटे।

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा करेगी महात्माओं का सम्मान

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा सभी मंडलों में आज 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम के अवसर पर संत महात्मा तथा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्तियों का सम्मान किया जाएगा। यह जानकारी भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक रामेश्वर भदौरिया ने दी।

कार्यक्रम संयोजक रामेश्वर भदौरिया ने बताया कि भाजपा द्वारा सभी मंडलों में संत महात्मा एवं विभिन्न क्षेत्रों उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्तियों को सम्मान किया जा रहा है। इन सभी मंडलों में भाजपा के वरिष्ठ नेतागण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कोटेश्वर मंडल में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, संत रविदास मंडल में पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, महाराजा अग्रसेन मंडल में पूर्व जिलाध्यक्ष अभय चौधरी, मानसिंह तोमर मंडल में प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक जादौन, दुगार्दास मंडल में पूर्व जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी, रानी लक्ष्मीबाई मंडल में प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक शर्मा, पंडित अटल बिहारी वाजपेई मंडल में पूर्व साडा अध्यक्ष जयसिंह कुशवाह, रामकृष्ण मंडल में जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर भदौरिया, वीर सावरकर मंडल में पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता तथा डॉ भीमराव अंबेडकर मंडल में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती सुमन शर्मा उपस्थित रहेंगी।

गुरू पूर्णिमा को कलावीथिका में सजेगी संगीत सभा

गुरू पूर्णिमा आज 10 जुलाई को पड़ाव स्थित तानसेन कलावीथिका में सायंकाल 6.30 बजे संगीत सभा सजेगी। राज्य शासन के संस्कृति विभाग द्वारा शासकीय माधव संगीत महाविद्यालय के सहयोग से आयोजित की जा रही इस संगीत सभा में इंदौर की सुश्री भार्गवी शर्मा के कथक नृत्य एवं दिल्ली के श्री संजय सिंह के उप शास्त्रीय संगीत गायन की प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रघुवंश सिंह भदौरिया, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती भूमिजा सक्सेना शामिल होंगे। यह जानकारी माधव संगीत महाविद्यालय के प्राचार्य अमित कुमार यादव ने दी है।

ब्रह्माकुमारीज केंद्र पर ध्यान साधना एवं प्रवचन का होगा आयोजन

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के माधवगंज स्थित प्रभु उपहार भवन सहित अन्य केंद्रों पर गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर परम सद्गुरु परमपिता परमात्मा शिव की आराधना के साथ साथ विशेष ध्यान सत्र एवं सत्संग का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बीके प्रहलाद भाई ने बताया कि प्रातः 6.30 बजे से 9.30 बजे तक विशेष ध्यान सत्र एवं सत्संग का आयोजन होगा। जिसमें मुख्य रूप से केंद्र प्रमुख राजयोगिनी बीके आदर्श दीदी अपने आशीर्वचन देंगी। तत्पश्चात सभी के लिए प्रसाद वितरण किया जाएगा। शाम को 4 बजे से 7 बजे तक ध्यान सत्र एवं सत्संग का आयोजन होगा।

संत आशाराम आश्रम में धूमधाम से मनेगी गुरूपूर्णिमा

संत आशाराम आश्रम ट्रस्ट के तत्वाधान में आज दस जुलाई को प्रातः 10 बजे से केदारपुर कोठी शिवपुरी लिंक रोड आश्रम प्रांगण में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसमें एक हजार आदिवासी परिवारों को बर्तन सेट उपहार स्वरूप भेंट किए जाएंगे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी बलवीर सिंह परमार ने देते हुये बताया कि प्रातः 9 से 11 बजे तक चरण पादुका पूजन, उसके बाद श्री आशा रामायण पाठ एवं पूज्यगुरुदेव की अमृत वाणी ऑडियो वीडियो सत्संग के पश्चात विजय महाराज प्रवचन करेंगे। दोपहर एक बजे से सामूहिक मंगल आरती कर व्यासपीठ से साधक भक्तगण आशीर्वाद ग्रहण करेंगे। उसके बाद आदिवासी परिवारों को भोजन प्रसादी के साथ बर्तन सेट प्रदान कर विशाल भंडारा शुरू होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालु भक्तगण भोजन प्रसादी ग्रहण करेंगे।

महामाया शक्तिपीठ पर गुरू पूजन आज, कल्पवृक्ष के दर्शन भी होंगे

ग्वालियर। गुरू पूर्णिमा पर महामाया शक्तिपीठ चिटनिस की गोठ पर भी विभिन्न आयोजन होंगे। इस मौके पर महामाया शक्ति पीठ से जुडे श्रद्धालु देशभर से ग्वालियर आयेंगे और महामाया शक्तिपीठ के पीठाधीश्वर गुरू आचार्य बालकृष्ण कोडातकर से मुलाकात कर गुरू पूजन करेंगे। इस मौके पर शक्तिपीठ पर विभिन्न आयोजन भी होंगे। गुरूपूर्णिमा पर आचार्य बालकृष्ण कोडातकर द्वारा भक्तों को कल्पवृक्ष के भी दर्शन कराये जायेंगे। महामाया शक्ति पीठ से जुड़े श्रद्धालु दोपहर से ही पीठ पर पहुंचेंगे और पीठ के आचार्य बालकृष्ण कोडातकर जी के समक्ष महामाई का पूजन अर्चन कर गुरूपूजन करेंगे। पीठ पर आचार्य गुरू के गुरूपूजा के लिये विभिन्न स्थानों से श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया हैं। गुरू पूजा कार्यक्रम के उपरांत श्रद्धालु भक्तों को आचार्य बालकृष्ण कोडातकर जी द्वारा प्रसाद, आर्शीवाद भी दिया जाएगा। महामाया शक्तिपीठ पर आने वाले गुरूभक्तों को कल्पवृक्ष के भी दर्शन कराये जाएंगे।

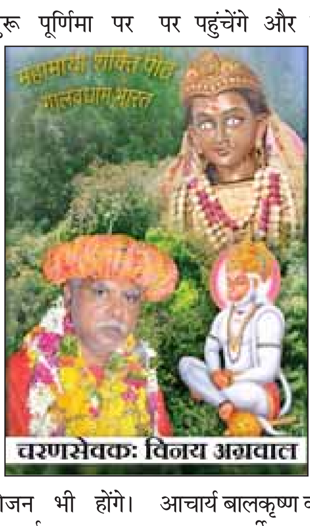

अग्र मिलन की 536वीं साप्ताहिक सभा 13 को

ग्वालियर। अग्र मिलन ग्रेटर की 536वीं साप्ताहिक सभा एवं मिनी परिचय सम्मेलन रविवार 13 जुलाई को प्रातः 8.30 से 10 बजे तक रामबाबू अग्रवाल 02, तुलसी विहार कॉलोनी सेवा नगर पार्क के पास रखा गया है। अग्र मिलन ग्रेटर के डॉ रामबाबू गोयल ने सभी अग्रबंधुओं से निवेदन किया है कि वह बैठक में अपने एवं अपने रिश्तेदारों के विवाह योग्य बच्चे बच्चियों के बायोडाटा लाकर वाचन करें। जिससे संबंध होने में सुविधा मिलेगी।

एक नाबालिग सहित तीन वाहन चोर पकड़े

– आधा दर्जन चोरी की बाइकें बरामद

ग्वालियर। डबरा थाना पुलिस ने एक वाहन चोर गिरोह को बर्स्ट कर तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार उनसे आधा दर्जन चोरी के दो पहिया वाहन बरामद किये हैं। पुलिस की गिरफ्त में आये वाहन चोरों में एक नाबालिग भी शामिल है। वाहन चोरों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह भीड़भाड़ और सूनसान इलाकों से बाइक चोरी कर उन्हें सस्ते दामों में बेच देते थे। पुलिस वाहन चोरों से पूछताछ कर रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि डबरा थाना पुलिस ने एक नाबालिग सहित तीन वाहन चोरों को हिरासत में लेकर उनसे चोरी के 6 दो

पहिया वाहन बरामद किये हैं। एसडीओपी डबरा जितेन्द्र नगाइच ने बताया कि उन्हें जरिये मुखबिर सूचना मिली थी कि कुछ वाहन चोर डबरा थाना क्षेत्र में देखे गये है। सूचना मिलते ही उन्होंने थाना प्रभारी डबरा यशवंत गोयल को चोरी गये वाहनों को बरामद करने और वाहन चोरों को पकड़ने के निर्देश दिये। जिस पर डबरा थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर वाहन चोरी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को हिरासत में लिया । पकड़े गये तीनों आरोपियों से नाम पता पूछने पर दो आरोपियों ने स्वयं को नरवर जिला शिवपुरी का रहने वाला बताया तथा तीसरा पूछताछ में नाबालिग होना पाया गया। पुलिस ने वाहन चोरों से पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर 6 मोटर सायकिलें बरामद की हैं। पुलिस पूछताछ में वाहन चोरों ने बताया कि वह भीड़भाड़ वाली जगहों पर जैसे होटल, अस्पताल या सूनसान इलाका देखकर चोरी करते थे उसके बाद उक्त चोरी की मोटर साईकिलों को छिपा कर सस्ते दामों पर बेचने के लिए ग्राहक ढूंढते थे।

सोसायटी में मेंटेनेंस के नाम पर ठगे 53 हजार रूपये, एसएसपी से की शिकायत

ग्वालियर। सोसायटी में मेंटेनेंस के नाम पर एक व्यक्ति ने दो लोगों से हजारों रूपये की ठगी कर ली। इसकी शिकायत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह से की गई है। उन्होंने विश्वविद्यालय थाना प्रभारी को जांच के निर्देश दिये है। आवेदक रमेश कुमार उपाध्याय निवासी मेट्रो टावर ने पुलिस की जनसुनवाई में शिकायत की है कि रेसीडेंस वेलफेयर सोसायटी की वार्षिक साधारण सभा में 27 अप्रैल को प्रदीप कुमार मिश्रा व महेश रोहिरा ने उनसे मेंटेनेंस के नाम पर 53 हजार 500 रूपये ले लिये। उन्होंने यह भी बताया कि वह सोसायटी के अध्यक्ष व सचिव है। जबकि उन्होंने इसकी जानकारी ली तब बताया कि सहकारिता विभाग में इनका पंजीयन नहीं है। इस तरह इनसे 53 हजार 500 रूपये की छलपूर्वक ठगी कर ली। आवेदक की शिकायत को एसएसपी धर्मवीर सिंह ने आवश्यक जांच के लिये विश्वविद्यालय थाना प्रभारी को निर्देश दिये है।

सार्वजनिक स्थानों से जब्त वाहन मालिकों को सौंपें

ग्वालियर। यातायात पुलिस द्वारा बुधवार को सार्वजनिक स्थानों से जब्त किये गये वाहनों को उनके मालिकों को सौंपा है। जिन वाहनों को पुलिस ने उनके मालिकों को सौंपा है वह कई वर्षों से यातायात थाने में रखे थे और पुलिस ने पता लगाकर 10 वाहनों को उनके मालिकों को सौंप दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों से यातायात पुलिस ने वाहन जब्त किये थे और यह वाहन यातायात थाने में काफी समय से रखे हुये थे। पुलिस ने इन वाहन मालिकों का पता कर उनके वाहन बुधवार को उनके सुपुर्द कर दिये। एसएसपी ने बताया कि यातायात उप पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना यातायात (मध्य) झांसी रोड में पिछले कई वर्षों से खडे हुए वाहनों के भौतिक सत्यापन के दौरान वाहन मालिक का पता करने के लिए एन0आई0सी0 सर्वर, व्हीकल डिटेक्शन पोर्टल, इंश्योरेंस कम्पनी के माध्यम से इंजन, चेचिस नम्बर के द्वारा 10 वाहनों के वास्तविक स्वामी का पता लगाया और इन वाहनों को चालानी कार्यवाही उपरांत वाहन स्वामियों के सुपुर्द बुधवार को किया गया।

घर में लगी आग, गृहस्थी का सामान जलकर खाक

ग्वालियर। मंगलवार की देर रात एक दो मंजिला मकान में अचानक आग लग गई। जिस समय घर में आग लगी परिवार के सदस्य सो रहे थे। घर में धुआं भरने और आग की लपटों से

परिवार की नींद टूटी। समय रहते सभी घर से बाहर की तरफभागे। इसके बाद तत्काल गोला का मंदिर पुलिस और दमकल दस्ते को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल अमला मौके पर पहुंचा और तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। राहत की बात यह रही कि आग में कोई जनहानि नहीं हुई है, जबकि घर में लगी आग में 8 से 10 लाख रुपए का घरेलू सामान जलकर राख हो गया है। प्रारंभिक जांच पड़ताल में शार्ट सर्किट से आग लगना माना जा रहा है।

आदित्यपुरम स्थित बृज विहार कॉलोनी में पुरुषोतम शर्मा के मकान में मंगलवार की देर रात आग लग गई। जिस समय आग लगी उस समय पुरूषोत्तम के अलावाघर में बच्चे, मां-पिता व अन्य सदस्य सहित 8 से 10 लोग थे। मंगलवार को सभी सदस्य खाना खाने के बाद सोने के लिए चले गए। रात 11.40 बजे के लगभग घर की दूसरी मंजिल पर आग की लपटें उठते हुए देखीं। जिससेघर में अफरा-तफरी मच गई। पुरुषोतम शर्मा ने परिवार के सभी सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला है। इसके बाद मामले की सूचना तत्काल पुलिस और दमकल दस्ते को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल अमला मौके पर पहुंचा और पानी फेंककर आग पर काबू पाया। दमकल अमले ने करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने से फर्नीचर, अन्य सामान जलकर राख हो गया है। दमकल दस्ते ने बताया कि जब फायर ब्रिगेड लेकर हम पहुंचे तो आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था फिर भी आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने का प्रारंभिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

संपादकीय

ब्रिक्स ने अमेरिका की नीतियों को दी खुली चुनौती, टैरिफ विवाद से बढ़ा तनाव

अमेरिका का मानना है कि अगर ब्रिक्स देश भविष्य में किसी साझा मुद्रा में आपसी लेनदेन करने लगे तो इससे डालर का वर्चस्व खतरे में पड़ सकता है। अमेरिका की ओर से विभिन्न देशों पर शुल्क लगाने के फैसले का शुरू से ही विरोध होता रहा है। अब ब्राजील में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र में भी इसकी कड़ी आलोचना के बाद अमेरिका की भौहें तन गईं और उसने इसे ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीति करार दिया। साथ ही चेतावनी दी कि जो देश अमेरिका के खिलाफ इस तरह की नीतियों का समर्थन करेगा, उसे दस फीसद अतिरिक्त शुल्क का सामना करना पड़ेगा। इससे यह सवाल और गहरा हो जाता है कि क्या अमेरिका वास्तव में ब्रिक्स देशों से खुद को असहज महसूस करता है! क्या आने वाले दिनों में अमेरिका और ब्रिक्स देशों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है? हालांकि, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका ने साफ किया है कि ब्रिक्स किसी टकराव के लिए नहीं है और न ही इसका मकसद किसी देश की मुखालफत करना है, बल्कि यह उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच सहयोग के लिए एक महत्त्वपूर्ण मंच है। दरअसल, अमेरिका ने इस साल अप्रैल में चीन और भारत समेत विभिन्न देशों पर शुल्क का एलान किया था। हालांकि बाद में इसे यह कहकर नब्बे दिन के लिए टाल दिया गया कि कुछ देश इस मामले में परस्पर सहमति पर विचार करने के इच्छुक हैं। शुल्क निलंबन की इस अवधि को अब कुछ दिन और बढ़ा दिया गया है। जिन देशों पर यह शुल्क प्रस्तावित है, वे शुरू से इसका विरोध कर रहे हैं। चीन ने तो अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाने का भी एलान कर दिया था। इसी कड़ी में अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अमेरिकी शुल्क का विरोध किया गया। यह निश्चित रूप से एकजुट होकर अमेरिका पर शुल्क का फैसला वापस लेने का दबाव बनाने की रणनीति हो सकती है। हालांकि इस सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की गैरमौजूदगी ब्रिक्स की एकजुटता पर ही सवाल खड़े करती है, क्योंकि कूटनीतिक वक्तव्यों के साथ-साथ धरातल पर एकजुटता दिखनी भी चाहिए, ताकि वैश्विक स्तर पर संयुक्त प्रयासों के महत्त्व को समझा जा सके। ब्रिक्स की स्थापना ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका द्वारा की गई थी। लेकिन इस समूह का पिछले वर्ष विस्तार हुआ और इसमें इंडोनेशिया, ईरान, मिस्र, इथियोपिया व संयुक्त अरब अमीरात को शामिल किया गया। नए सदस्य देशों के अलावा, इस समूह में दस रणनीतिक साझेदार देश भी शामिल हैं। असल में ब्रिक्स देशों की वैश्विक जीडीपी में हिस्सेदारी 28-30 फीसद है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के इस समूह को पश्चिमी देशों के लिए संभावित चुनौती के रूप में देखा जाने लगा है। ब्रिक्स डालर पर निर्भरता कम करने के लिए अपनी एक स्वतंत्र एवं साझा मुद्रा प्रणाली की योजना पर विचार कर रहा है। ब्रिक्स को लेकर अमेरिका के पूर्वाग्रह का यह भी एक बड़ा कारण हो सकता है। अमेरिका का मानना है कि अगर ब्रिक्स देश भविष्य में किसी साझा मुद्रा में आपसी लेनदेन करने लगे तो इससे डालर का वर्चस्व खतरे में पड़ सकता है। जाहिर है, अमेरिका ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए हर तरह की रणनीति अपनाएगा, जिससे उसके वैश्विक हित और वर्चस्व को चुनौती की संभावना होगी। बहरहाल, ब्रिक्स देशों की इस राय के अपने आधार हैं कि अमेरिकी शुल्क विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरूप नहीं है। ऐसे प्रतिबंधों से वैश्विक व्यापार में कमी आने, आपूर्ति शृंखलाओं के बाधित होने और बाजार में अनिश्चितता पैदा होने का खतरा है।

मत रोकिए आंसू, हृदय का पवित्र जल तथा प्रेम और पीड़ा की अनकही भाषा है ये, समझना होगा इसका मोल

आंसू, वह अनमोल बिंदु, जो हृदय की गहराइयों से उमड़ता है, मानव जीवन की सबसे कोमल और सत्य भावनाओं का प्रतीक है। यह वह जल है, जो न बादलों की उमड़-घुमड़ से जन्म लेता है, न नदियों के प्रवाह से। यह आत्मा के उस गुप्त स्रोत से प्रस्फुरित होता है, जहां प्रेम, करुणा, दुख और आनंद एक-दूसरे में समाहित होकर एक पवित्र रस बनाते हैं। आंसू वह निर्मल जल है, जो हृदय को धोता है, उसे शुद्ध करता है, और उसे उस अनंत सत्य के समीप ले जाता है, जहां मानव और परम का मिलन होता है। मगर आज के युग में, जब सच्चाई को कृत्रिमता ढक लेती है, हमें आंसुओं का मोल समझना होगा।

आंसू वह विश्वजनीन भाषा हैं, जो हर संस्कृति, हर धर्म, हर देश में समझी जाती है। यह वह जल है, जो मानवता को एक सूत्र में पिरोता है। चाहे वह युद्ध में खोए प्रिय की स्मृति में बहने वाले आंसू हों, या किसी अनजान की पीड़ा को देखकर उमड़ने वाले आंसू, ये सभी मानवता के साझा दुख और प्रेम को व्यक्त करते हैं। पढ़िए राजेंद्र मोहन शर्मा के विचार। आंसू, वह अनमोल बिंदु, जो हृदय की गहराइयों से उमड़ता है, मानव जीवन की सबसे कोमल और सत्य भावनाओं का प्रतीक है। यह वह जल है, जो न बादलों की उमड़-घुमड़ से जन्म लेता है, न नदियों के प्रवाह से। यह आत्मा के उस गुप्त स्रोत से प्रस्फुरित होता है, जहां प्रेम, करुणा, दुख और आनंद एक-दूसरे में समाहित होकर एक पवित्र रस बनाते हैं। आंसू वह निर्मल जल है, जो हृदय को धोता है, उसे शुद्ध करता है, और उसे उस अनंत सत्य के समीप ले जाता है, जहां मानव और परम का मिलन होता है। मगर आज के युग में, जब सच्चाई को कृत्रिमता ढक लेती है, हमें आंसुओं का मोल समझना होगा। हमें दूसरों की पीड़ा में बहने वाले आंसुओं को देखने के साथ-साथ अपने हृदय के आंसुओं से साक्षात्कार करना होगा, क्योंकि यह आत्म-चिंतन ही हमें हमारी मानवता की गहराई तक ले जाता है। जब कोई प्रेमी अपने प्रिय के बिछोह में भीगता है, जब माता अपने संतान के कष्ट में डूब जाती है, जब साधक ईश्वर के चरणों में अपनी आत्मा को समर्पित करता है, तब आंसू केवल जल नहीं रहते, वे आत्मा की वह प्रार्थना बन जाते हैं, जो अनकही भावनाओं को व्यक्त करती है। आंसू आत्म-चिंतन का दर्पण हैं। वे हमें अपने भीतर झांकने के लिए प्रेरित करते हैं, हमें हमारी कमजोरियों, संवेदनाओं और सत्य से जोड़ते हैं। अपने आंसुओं से साक्षात्कार करना आत्म-चिंतन का ही चरण है, जो हमें यह समझने में मदद करता है कि हम कौन हैं, हमारी भावनाएं कहां से जन्म लेती हैं, और हमारा हृदय किस सत्य की तलाश में है। दुख वह अग्नि है, जो हृदय को तपाती है, और आंसू वह मेघ हैं, जो उस ताप को शीतलता प्रदान करते हैं। मगर आंसू केवल दुख के गीत नहीं गाते। वे प्रेम, करुणा और आनंद के भी वाहक हैं। जब हम अपने दुख के आंसुओं से साक्षात्कार करते हैं, तब हम न केवल अपनी पीड़ा को समझते हैं, बल्कि उस पीड़ा के पीछे छिपे सत्य को भी खोजते हैं। यह आत्म-चिंतन हमें यह प्रश्न करने के लिए प्रेरित करता है कि यह दुख कहां से आया? यह मुझे क्या सिखाने आया है? यह मुझे मेरे सत्य के कितना निकट ले गया? प्रेम वह अग्नि है, जो हृदय को पिघलाती है और आंसू वह अमृत हैं, जो उस पिघले हृदय से टपकते हैं। प्रेम में बहने वाले आंसू हृदय की वह पवित्र भेंट हैं, जो प्रेमी को अपने प्रिय के और निकट ले जाती है, वह माता का अपने संतान के लिए अथाह स्नेह है और प्रेमी का अपने प्रिय के लिए तड़पन है। आंसू प्रेम की उस गहराई को उजागर करते हैं, जो शब्दों से परे है। जब हम अपने प्रेम के आंसुओं से साक्षात्कार करते हैं, तब हम यह समझने की कोशिश करते हैं कि यह प्रेम हमें क्या सिखाता है। क्या यह प्रेम हमें स्वार्थ से मुक्त करता है, या हमें और बांधता है? क्या यह प्रेम हमें सत्य के निकट ले जाता है, या हमें भ्रम में उलझाता है? आत्म-चिंतन का यह गहरा संवाद हमें प्रेम की वास्तविकता को समझने की शक्ति देता है, और हमें उस पवित्र प्रेम की ओर ले जाता है, जो न केवल व्यक्तिगत, बल्कि विश्वजनीन भी है। आंसू वह सेतु हैं, जो मानव को मानवता से जोड़ते हैं। जब हम किसी के दुख को देखकर आंसू बहाते हैं, तो वह करुणा का प्रतीक है। करुणा वह गुण है, जो हमें दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझने की शक्ति देता है। आंसू इस करुणा को व्यक्त करने का सबसे शुद्ध माध्यम हैं। आत्म-चिंतन हमें यह समझने में मदद करता है कि हमारी करुणा कितनी गहरी है, और क्या वह केवल बाहरी प्रदर्शन है, या हृदय की गहराई से निकलती है। आंसू वह विश्वजनीन भाषा हैं, जो हर संस्कृति, हर धर्म, हर देश में समझी जाती है। यह वह जल है, जो मानवता को एक सूत्र में पिरोता है। चाहे वह युद्ध में खोए प्रिय की स्मृति में बहने वाले आंसू हों, या किसी अनजान की पीड़ा को देखकर उमड़ने वाले आंसू, ये सभी मानवता के साझा दुख और प्रेम को व्यक्त करते हैं। मगर अपने आंसुओं से दूरी हमें इस विश्वजनीन भाषा को समझने से रोकती है। आत्म-चिंतन के माध्यम से अपने आंसुओं से मिलन हमें इस पवित्र जल की गहराई तक ले जाता है, हमें यह समझने में मदद करता है कि हमारी संवेदनाएं हमें विश्व के और निकट कैसे लाती हैं। आज के युग में, जब कृत्रिमता सच्चाई पर हावी हो जाती है, हमें आंसुओं का मोल समझना होगा। हमें उन आंसुओं से बचना होगा, जो केवल बाहरी प्रदर्शन के लिए बहाए जाते हैं। अपने आंसुओं से साक्षात्कार करना आत्म-चिंतन का वह मार्ग है, जो हमें हमारी संवेदनशीलता के और निकट ले जाता है। यह आत्म-चिंतन हमें यह प्रश्न करने के लिए प्रेरित करता है- मेरे आंसू कहां से आते हैं? वे मेरे हृदय के किस सत्य को उजागर करते हैं? क्या वे मुझे मेरे सत्य के और निकट ले जाते हैं? यह गहरा संवाद हमें हमारी मानवता की गहराई तक ले जाता है, जहां हम न केवल अपनी भावनाओं को समझते हैं, बल्कि विश्व के साथ एक गहरे संबंध को अनुभव करते हैं। आंसू वह पवित्र जल हैं, जो मानव जीवन की हर भावना को अपने में समेट लेते हैं। वे दुख को शांत करते हैं, प्रेम को गहराई देते हैं और करुणा को जन्म देते हैं। आंसू वह अनमोल रत्न हैं, जो हमें हमारी संवेदनशीलता से जोड़ते हैं। आत्म-चिंतन के माध्यम से अपने आंसुओं से साक्षात्कार करना हमें न केवल अपने सत्य से जोड़ता है, बल्कि हमें उस विश्वजनीन सत्य तक ले जाता है, जहां मानवता का मोल सर्वोपरि है। इसलिए जब अगली बार आंसू उमड़ें, उन्हें रोकें नहीं, उन्हें बहने दें, क्योंकि वे हृदय का सबसे पवित्र जल है।

अब और बढ़ी वायु सैन्य शक्ति की महत्ता, अंतरिक्ष मोर्चे पर भी भारत की जीत

अंतरिक्ष मोर्चे पर भारत को सैटेलाइट निगरानी नाविक संचार अर्ली-वार्निंग और एंटी-सैटेलाइट क्षमताएं विकसित करनी होंगी। वायु रक्षा प्रणालियों का एकीकरण और विभिन्न सैन्य बलों में उनके उपयोग को सुगम एवं लचीला बनाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए स्वदेशी शोध एवं विकास में निरंतर निवेश बढ़ाना होगा। सार्वजनिक-निजी भागीदारी भी मजबूत बनाई जाए। खरीद प्रक्रिया को गति देनी होगी। आपरेशन सिंदूर ने भारत की उन क्षमताओं को साबित किया कि पाकिस्तान की धरती पर कदम रखे बिना भी उसके भीतरी इलाकों में स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया जा सकता है। अमेरिका और इजरायल ने भी ईरान के प्रमुख सैन्य ठिकानों पर हवाई हमलों के जरिये ऐसी ही क्षमताएं दिखाईं। तुर्किये से लेकर रूस जैसे देश अपनी वायु सैन्य शक्ति विशेषकर ड्रोन जैसी तकनीक पर भरोसा करते हैं। वायु और अंतरिक्ष में किसी देश की क्षमताएं ही उसकी सामरिक शक्ति को निर्धारित कर रही हैं, क्योंकि इसके जरिये सुदूरवर्ती जगह से भी पूरी सटीकता एवं तत्परता से हमला कर दुश्मन को क्षति पहुंचाई जा सकती है। अतीत में युद्ध संसाधनों की दृष्टि से जमीन कब्जाने के लिए लड़े जाते थे, जिसमें जमीन पर सक्रिय सैन्य बलों के लिए वायु शक्ति सहायक की भूमिका निभाती थी। हालांकि जमीन कब्जाने के साथ और जटिलताएं जुड़ी होती हैं, जैसे उस पर काबिज होने के बाद वहां गवर्नेंस भी कई बार बोझ बन जाती है। स्थानीय लोगों के प्रतिरोध का भी सामना करना पड़ता है जो अक्सर गुरिल्ला युद्ध का रूप ले लेता है। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा हुआ है। अपने उपनिवेशों से ब्रिटेन का निकलना, वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान से अमेरिका का पलायन और अफगानिस्तान से सोवियत संघ का पीछे हटना यही साबित करता है कि क्षेत्रीय कब्जे में गवर्नेंस का अंतर्निहित बोझ छिपा होता है। यही कारण है कि आधुनिक समर नीति में युद्धों का स्वरूप बदल गया है। इसमें परंपरा से इतर अपने उद्देश्यों की पूर्ति एवं वर्चस्व पर ध्यान केंद्रित होता है। समय के साथ वायु सैन्य शक्ति को लेकर राजनीतिक दृष्टिकोण बदला है। एक समय इसे उकसाने वाला कदम समझा जाता है, लेकिन अब इसे सटीक प्रहार वाली नियंत्रित कार्रवाई के रूप में मान्यता मिल रही है। भारत के बालाकोट और आपरेशन सिंदूर जैसे अभियान से लेकर ईरान पर अमेरिका-इजरायल की बमबारी यही साबित करती है कि वायु सैन्य शक्ति टकराव को व्यापक रूप से बढ़ाए बिना ही दुश्मन को घर में घुसकर दंडित करने में उपयोगी साबित होती है। चूंकि ऐसे हमले मुख्य रूप से खुफिया जानकारी पर आधारित चिह्नित आतंकी या सैन्य इलाकों को निशाना बनाकर किए जाते हैं तो इसमें आम जन हानि की आशंका भी घट जाती है। युद्ध का बुनियादी सिद्धांत ही यही है कि दुश्मन आपके हमले से चौंक जाए। वायु सैन्य शक्ति चौंकाने वाले इस पहलू को सुनिश्चित करती है। यह जितनी गति, तत्परता और सटीकता से लक्ष्य को साधती है, उसकी किसी अन्य पारंपरिक सैन्य शक्ति से तुलना संभव नहीं। इसके जरिये दुश्मन के कमांड सेंटर, आपूर्ति शृंखला और बुनियादी ढांचे को चोट पहुंचाकर उसकी कमर तोड़ना संभव है। वायु सैन्य शक्ति भी समय के साथ बहुत उन्नत होती गई है। पूर्व में मिग-21 जैसे विमान बेस से केवल कुछ सैकड़ों किमी दूर तक ही संचालित हो सकते थे। आज लंबी दूरी तक मारक क्षमता वाले बमवर्षक, ड्रोन, क्रूज मिसाइलों के साथ ही हवा में ही ईंधन भरने की सुविधा ने हजारों किमी दूर सुदूरवर्ती इलाकों तक मार करने की क्षमता दिलाई है और वह भी दुश्मन के वायु क्षेत्र में प्रवेश किए बिना। मिसाइलें तो 1,000 किमी से भी दूर तक निशाना लगा सकती हैं। हाइपरसोनिक मिसाइलें तो कम समय में ही काम निपटा सकती हैं। बी-52 और राफेल जैसे विमान हवा में ही ईंधन भरकर घंटों तक उड़ते हुए महाद्वीपों की सीमा को पार कर सकते हैं। एमक्यू-9 रीपर जैसे ड्रोन दिन भर से अधिक तक अपने लक्ष्य के ऊपर मंडरा सकते हैं। निःसंदेह भारत ने अपनी वायु सैन्य शक्ति में बढ़ोतरी की है और यह क्रम निरंतर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन हमें चीन को लेकर अपनी सतर्कता भी बढ़ानी होगी, जिसने अपनी सामरिक शक्ति को बड़े पैमाने पर बढ़ाया है। चीनी वायु सेना के पास 200 से अधिक जे-20 स्टील्थ फाइटर्स हैं और पिछले 15 वर्षों में उसने आधुनिक लड़ाकू विमानों के अपने बेड़े को तीन गुना तक बढ़ाया है। एच-6के बमवर्षक के साथ लंबी दूरी की उसकी मारक क्षमताएं बढ़ी हैं तो वाई-20 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के जरिये सैनिकों और रसद सामग्री को तेजी से कहीं भी पहुंचाने की उसकी क्षमता में इजाफा हुआ है। चीन ने लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली पीएल-15 जैसी मिसाइल विकसित की है और उसके उन्नत संस्करणों को तैयार करने में भी लगा हुआ है। हाइपरसोनिक मिसाइलों पर भी वह भारी दांव लगा रहा है। चीन के मिसाइल लांचर भी 2000 के बाद दोगुने से अधिक हो गए हैं। उसका बायडू सैटेलाइट सिस्टम सामरिक मोर्चे को लक्षित करने और नेविगेशन से लेकर संचार सुविधाओं में सहयोग करता है। पाकिस्तान के साथ चीन की नजदीकियों को देखते हुए भारत की चुनौतियां और बढ़ जाती हैं। इसलिए भारत को न केवल अपनी मौजूदा रक्षा प्रणालियों, बल्कि आधुनिक क्षमताओं के विकास को लेकर भी तत्परता का परिचय देना होगा। इसमें एएमसीए, एलसीए, एमके-टू, लंबी दूरी तक सटीक निशाना लगाने वाली मिसाइलें, हाइपरसोनिक हथियार, एमएएलई और एचएएलई ड्रोन और हवा में ईंधन भरने की अत्याधुनिक तकनीकों को प्राथमिकता में रखना होगा। एडवांस रडार और सेंसर सुइट्स, इलेक्ट्रानिक वारफेयर सिस्टम्स के साथ ही पूर्णतया सुरक्षित एवं एआइ-संचालित कमांड एवं कंट्रोल नेटवर्क विकसित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अंतरिक्ष मोर्चे पर भारत को सैटेलाइट निगरानी, नाविक, संचार, अर्ली-वार्निंग और एंटी-सैटेलाइट क्षमताएं विकसित करनी होंगी। वायु रक्षा प्रणालियों का एकीकरण और विभिन्न सैन्य बलों में उनके उपयोग को सुगम एवं लचीला बनाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी भी मजबूत बनाई जाए। खरीद प्रक्रिया को गति देनी होगी। वायु और अंतरिक्ष क्षमताएं ही अब संहारक एवं निवारक क्षमताओं को निर्धारित कर रही हैं तो भारत प्राथमिकता के आधार पर अपने औद्योगिक आधार को सक्रिय एवं सशक्त करते हुए ऐसी क्षमताओं को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करे।

बिहार में कानून का डर खत्म, डायन के शक में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जलाया

सबसे दहलाने वाली खबर पूर्णिया जिले के टेटमा गांव से आई, जहां 'जादू-टोना' के संदेह में एक ही परिवार के पांच लोगों को क्रूरता से मारा-पीटा गया और फिर जिंदा जला दिया गया। इस घटना की जड़ें अंधविश्वास और अराजकता से जुड़ी हुई हैं, जिसमें कहीं से ऐसा नहीं लगता कि वहां सरकारी तंत्र की मौजूदगी रही हो या फिर वहां लोगों के भीतर पुलिस या कानून का कोई भय हो।

एक ओर, विज्ञान की उपलब्धियों के रोज नई ऊंचाइयों को छूने का जश्न मनाया जाता है, वहीं वैज्ञानिक चेतना से दूर बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जो तंत्र-मंत्र और अंधविश्वास में आकर किसी की हत्या करने से भी नहीं हिचकते।

बिहार में पिछले कुछ दिनों के भीतर आपराधिक घटनाओं में जैसी तेजी आई है, उससे यही लगता है कि सरकार के हाथ से सब कुछ छूट गया है और अपराध को अंजाम देने वाले बेलगाम हैं। पिछले हफ्ते पटना में एक व्यवसायी और सीवान में तीन लोगों की हत्या की घटना से उपजा तूफान अभी शांत भी नहीं हुआ था कि सोमवार को राज्य में चौबीस घंटे में नौ लोगों की हत्या कर देने की घटनाएं सामने आईं। सबसे दहलाने वाली खबर पूर्णिया जिले के टेटमा गांव से आई, जहां 'जादू-टोना' के संदेह में एक ही परिवार के पांच लोगों को क्रूरता से मारा-पीटा गया और फिर जिंदा जला दिया गया। इस घटना की जड़ें अंधविश्वास और अराजकता से जुड़ी हुई हैं, जिसमें कहीं से ऐसा नहीं लगता कि वहां सरकारी तंत्र की मौजूदगी रही हो या फिर वहां लोगों के भीतर पुलिस या कानून का कोई भय हो। गौरतलब है कि एक बच्चे की बीमारी नहीं ठीक हो पाने के बाद कुछ लोगों ने 'डायन' बता कर एक ही परिवार के पांच लोगों की जान ले ली। इस घटना के दौरान वहां दो सौ से ज्यादा लोगों की भीड़ मौजूद थी और अराजकता चरम पर थी। निश्चित तौर पर यह कानून-व्यवस्था की नाकामी है, लेकिन हकीकत यह भी है कि बहुत सारे लोगों को अंधविश्वास के अंधेरे में जीने-मरने के लिए छोड़ दिया गया है! एक ओर, विज्ञान की उपलब्धियों के रोज नई ऊंचाइयों को छूने का जश्न मनाया जाता है, वहीं वैज्ञानिक चेतना से दूर बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जो तंत्र-मंत्र और अंधविश्वास में आकर किसी की हत्या करने से भी नहीं हिचकते। जबकि यह उन्हें कानून के कठघरे में खड़ा कर सकता है और कई लोगों की जिंदगी जेल में कट सकती है। 'डायन' जैसे अंधविश्वास की वजह से आए दिन वंचित तबकों की महिलाओं की हत्या कर दिए जाने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। यह अफसोसनाक है कि ऐसे मौकों पर सरकार कानूनी कार्रवाई की औपचारिकता तो पूरी करती दिखती है, लेकिन इस समस्या की जड़ों पर चोट करने के लिए बहुत सक्रिय नहीं होती। जब तक समाज में अंधविश्वास पर आधारित धारणाओं को दूर करने के लिए ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम नहीं किया जाता, तब तक लोगों को इसके मकड़जाल से निकालना मुश्किल होगा।

चुनाव आयोग की सख्ती, भ्रामक और गुमराह करने वाले पोस्ट पर एक्शन जरूरी

बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की आवश्यक पहल के खिलाफ भ्रामक और गुमराह करने वाले वीडियो एवं पोस्ट पर चुनाव आयोग की सख्ती आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य भी है। यह ठीक है कि चुनाव आयोग मतदाता सूची के सत्यापन संबंधी फर्जी पोस्ट एवं वीडियो को खोज-खोज कर उन्हें गलत बता रहा है और इसी के साथ सच्चाई भी बयान कर रहा है, लेकिन इसे पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। चुनाव आयोग को ऐसे भ्रामक वीडियो एवं पोस्ट करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई भी करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा कोई भी खटखटा सकता है लेकिन क्या महुआ मोइत्रा बिहार की सांसद हैं? क्या उन्हें यह लगता है कि बिहार की तरह बंगाल में भी मतदाता सूची का सत्यापन हो सकता है। जो भी हो ऐसा सत्यापन पूरे देश में होना चाहिए क्योंकि सही मतदाता सूची से ही लोकतंत्र सशक्त बनेगा। बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की आवश्यक पहल के खिलाफ भ्रामक और गुमराह करने वाले वीडियो एवं पोस्ट पर चुनाव आयोग की सख्ती आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य भी है। यह ठीक है कि चुनाव आयोग मतदाता सूची के सत्यापन संबंधी फर्जी पोस्ट एवं वीडियो को खोज-खोज कर उन्हें गलत बता रहा है और इसी के साथ सच्चाई भी बयान कर रहा है, लेकिन इसे पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। चुनाव आयोग को ऐसे भ्रामक वीडियो एवं पोस्ट करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई भी करनी चाहिए। यह और कुछ नहीं सीधा-सीधा फेक न्यूज का मामला है। यदि इस तरह की फेक न्यूज फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो शरारती तत्वों का दुस्साहस और अधिक ही बढ़ेगा। ऐसे तत्व चुनाव आयोग के साथ-साथ भारतीय लोकतंत्र की छवि खराब करने का ही काम करेंगे। अतीत

में करते भी रहे हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि वे किस तरह ईवीएम के खिलाफ गुमराह करने वाले वीडियो साझा कर चुके हैं। समस्या यह है कि चुनाव आयोग के पास पर्याप्त अधिकार नहीं। वह खुद को और चुनाव प्रक्रिया को बदनाम एवं देश की जनता को गुमराह करने वाले लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं कर पाता। यह सहज ही समझा जा सकता है कि बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की प्रक्रिया के खिलाफ कौन लोग भ्रामक पोस्ट एवं वीडियो साझा करने में लगे हुए हैं। यह तय माना जाना चाहिए कि इनमें से कई विपक्षी दलों के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक होंगे। आखिर यह एक तथ्य है कि कांग्रेस, राजद समेत कई विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन का बेतुका विरोध किया है। समझना कठिन है कि आखिर निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव के लिए यह क्यों नहीं पता लगाया जाना चाहिए कि वास्तविक मतदाता कौन हैं। यह काम तो पूरे देश में होना चाहिए। पहले होता भी रहा है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन संबंधी चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ कुछ लोग सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गए हैं। इनमें वकील एवं नेता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी भी हैं। कपिल सिब्बल सदैव ऐसा करने में आगे रहते हैं। बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा भी आगे आई हैं। सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा कोई भी खटखटा सकता है, लेकिन क्या महुआ मोइत्रा बिहार की सांसद हैं? क्या उन्हें यह लगता है कि बिहार की तरह बंगाल में भी मतदाता सूची का सत्यापन हो सकता है। जो भी हो, ऐसा सत्यापन पूरे देश में होना चाहिए, क्योंकि सही मतदाता सूची से ही लोकतंत्र सशक्त बनेगा। उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ दायर की गई याचिकाओं के पीछे के असल इरादों को भांपे।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पहली बार गिल टॉप-6 बैटर, बुमराह 32 हफ्तों से टॉप बॉलर

174 हफ्तों से जडेजा नंबर-1 ऑलराउंडर

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल पहली बार टेस्ट की बैटर्स रैंकिंग में टॉप सिक्स में पहुंचे हैं। बुधवार को जारी ढ्ढष्टष्ट रैंकिंग में उन्होंने 15 स्थान की छलांग लगाई।

यह टेस्ट में गिल की अब तक की बेस्ट रैंकिंग है। एजबेस्टन टेस्ट में गिल ने 269 और 161 रनों की पारी खेली थी। उन्हें इसी का फायदा मिला।

बल्लेबाजों की टॉप टेन रैंकिंग में तीन भारतीय हैं। यशस्वी जायसवाल चौथे और ऋषभ पंत सातवें स्थान पर हैं।बॉलिंग रैंकिंग में पेसर जसप्रीत बुमराह 32 हफ्ते से टॉप पर बरकरार हैं। ऑलराउंडर की लिस्ट में रवींद्र जडेजा लगातार 174 हफ्तों से नंबर-1 बने हुए हैं।

टॉप-10 में इंग्लैंड के ब्रूक नंबर-1 और रूट नंबर-2 पर हैं। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन तीसरे, भारत के यशस्वी जायसवाल चौथे और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ पांचवें स्थान पर हैं।

एजबेस्टन टेस्ट में भारत के खिलाफ 184* और 88 रनों की पारी खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ को भी 16 पायदान का फायदा हुआ है और अब वह 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ 367* रनों की पारी खेलने वाले साउथ अफ्रीका के वियान मुल्डर 34 नंबर के फायदे के साथ 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बॉलर्स रैंकिंग में बुमराह अकेले इंडियन बॉलिंग रैंकिंग में पेसर जसप्रीत बुमराह टॉप पर बरकरार हैं। वे इस पोजिशन पर लगातार 32 हफ्तों से बने हुए हैं।

एजबेस्टन में पहली पारी में सात विकेट लेने वाले मोहम्मद सिराज छह पायदान के फायदे के साथ 22वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

बांग्लादेश दौरा टला, श्रीलंका-भारत आपस में भिड़ सकते हैं, दोनों बोर्डों के बीच बातचीत जारी

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका की टीमें अगले महीने 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेल सकती हैं। यह सीरीज हालांकि आईसीसी के फ्यूचर टूर प्रोग्राम का हिस्सा नहीं है, लेकिन दोनों टीमों के पास इस समय एक खाली विंडो है।

भारत को अगस्त में बांग्लादेश का दौरा करना था, जहां 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाने थे। लेकिन बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिति के कारण यह दौरा अब सितंबर 2026 तक के लिए टाल दिया गया है। दूसरी ओर, श्रीलंका प्रीमियर लीग, जो जुलाई-अगस्त में होने वाली थी, उसे भी स्थगित कर दिया गया है। इससे श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के पास भी खाली समय बच गया है।

बीसीसीआई - एसएलसी आपस में बातचीत कर रहे श्रीलंका की स्थानीय मीडिया न्यूजवायर के मुताबिक, इस समय बीसीसीआई और एसएलसी के बीच बातचीत चल रही है। दोनों बोर्ड 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की द्विपक्षीय सीरीज के लिए तारीखें तय करने की कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश की मेजबानी कर रहा है श्रीलंका इस समय श्रीलंका अपनी घरेलू जमीन पर बांग्लादेश की मेजबानी कर रहा है। श्रीलंका ने तीन वनडे मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। अब दोनों टीमों के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज 10 जुलाई से शुरू होगी और 16 जुलाई को खत्म होगी।

इसके बाद श्रीलंका के पास अगस्त के आखिरी हफ्ते तक कोई इंटरनेशनल मैच नहीं है। इसके बाद टीम जिम्बाब्वे दौरे पर जाएगी, जहां दो वनडे और तीन टी20 मैच खेले जाने हैं।

दूसरी ओर भारतीय टीम इस समय इंग्लैंड में 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है, जो 4 अगस्त को खत्म होगी। इसके बाद टीम इंडिया का अगला बड़ा टूर्नामेंट एशिया कप है, लेकिन उससे पहले कोई सीरीज तय नहीं है। अगर भारत और श्रीलंका के बीच बातचीत सफल रहती है, तो भारतीय टीम अगस्त में श्रीलंका का दौरा कर सकती है।

दो दिन पहले दाढ़ी में कलर किया, हर चार दिन में यह करना पड़े तो समझो रिटायरमेंट का समय आ गया - कोहली

नई दिल्ली। विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने पर पहली बार बोले हैं। उन्होंने लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि बढ़ती उम्र के कारण उन्हें यह फैसला लेना पड़ा। विराट 36 साल के हो चुके हैं। उन्होंने 12 मई 2025 को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी।

लंदन में पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह की ओर से अपने यूवीकैन फाउंडेशन के लिए डिनर पार्टी का आयोजन किया गया था। इस पार्टी में कोहली समेत दुनियाभर के क्रिकेट और अन्य फील्ड से जुड़े लोग पहुंचे थे। टीवी प्रजेंटर गौरव कपूर के यह कहने पर कि लोग उन्हें मैदान पर मिस करते हैं तो विराट ने मुस्कराते हुए कहा, मैंने दो दिन पहले अपनी दाढ़ी में कलर किया था। जब आपको हर चार दिन में दाढ़ी रंगनी पड़े तो समझ आ जाता है कि अब समय (रिटायरमेंट) आ गया है।

कोहली ने इंडिया के लिए 123 टेस्ट खेले हैं

कोहली का टेस्ट करियर शानदार रहा है, जिसमें उन्होंने 123 टेस्ट (210 पारी) में 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक लगाए। उन्होंने 68 टेस्ट में कप्तानी की और 40 में जीत हासिल की। उनकी जीत का प्रतिशत 58.82 है, जो 50 या ज्यादा टेस्ट में कप्तानी करने वालों में तीसरा सबसे बेहतर है।

टेस्ट में धोनी-रोहित से आगे हैं विराट, सभी घरेलू सीरीज जीतीं विराट कोहली ने बतौर कप्तान कोई भी आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीता। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में बतौर कैप्टन वे महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा दोनों से आगे हैं। कोहली ने घर में सभी 11 सीरीज जीतीं। धोनी और रोहित दोनों की कप्तानी में टीम इंडिया को घरेलू पिचों में टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी। रोहित की कप्तानी में तो न्यूजीलैंड से क्लीन स्वीप भी शामिल है।

चेल्सी फीफा क्लब वर्ल्ड कप के फाइनल मेंफ्लुमिनेंस को 2-0 से हराया

नई दिल्ली। चेल्सी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्लुमिनेंस को हराकर फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। मंगलवार को सेमीफाइनल मुकाबले में चेल्सी की टीम शुरुआत से ही आत्मविश्वास से भरी नजर आई और 2-0 से जीत दर्ज की।

दोनों गोल जोआओ पेड्रो ने किए। उन्होंने चेल्सी के लिए अपने पहले मैच में अपनी बचपन की टीम के खिलाफ 18वें और 56वें मिनट में दो गोल किए। पेड्रो जब 10 साल के थे तब फ्लुमिनेंस से जुड़ गए थे और 2020 में वाटफोर्ड जाने तक वह इस क्लब की तरफ से खेलते रहे।

चेल्सी की निगाहें दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियन बनने पर दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला 10 जुलाई को क्क्स्त और रियल मैड्रिड के बीच खेला जाएगा। वहीं फाइनल 13 जुलाई को होगा। चेल्सी की निगाहें अब दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियन बनने पर लगी होंगी। उसने इससे पहले 2021 में खिताब जीता था।

स्न्ढ्स्न् क्लब वर्ल्ड कप की शुरुआत 2000 में हुई स्न्ढ्स्न् क्लब वर्ल्ड कप एक इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट है, जिसे स्न्ढ्स्न् आयोजित करता है। इसमें दुनियाभर की बड़ी क्लब फुटबॉल टीमें हिस्सा लेती हैं।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को तीसरा वनडे 99 रन से हराया

नई दिल्ली। श्रीलंका ने बांग्लादेश को तीसरा वनडे 99 रन से हरा दिया। इसी के साथ होम टीम ने 3 मैचों की सीरीज भी 2-1 से अपने नाम कर ली। श्रीलंका ने टेस्ट सीरीज भी 1-0 से जीती थी। तीसरे वनडे में विकेटकीपर कुसल मेंडिस ने सेंचुरी लगाई, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला।

निसांका-मेंडिस ने फिफ्टी पार्टनरशिप की

पल्लेकेले में मंगलवार को श्रीलंका ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने ओपनर निशान मदुष्का का विकेट चौथे ओवर में ही गंवा दिया, वे 1 ही रन बना सके। दूसरे ओपनर पाथुम निशांका ने फिर कुसल मेंडिस के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। हालांकि, वे भी 35 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। नंबर-4 पर बैटिंग करने उतरे कामिंडु मेंडिस 16 ही रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद कप्तान चरिथ असलंका ने फिफ्टी लगाई और कुसल के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 124 रन जोड़े, असलंका 58 रन बनाकर आउट हो गए।मेंडिस ने शतक लगा दिया, लेकिन उनके सामने जनिथ लियानागे 12, दुनिथ वेल्लालागे 6, वनिंदू हसरंगा 18 और दुष्मंथा चमीरा 10 ही रन बना सके।

करह धाम की ट्रैफिक व्यवस्था की जानकारी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 10.07.25 को गुरूपूर्णिमा के अवसर पर पटिया वाले बाबा करह धाम आश्रम पर एक दिवसीय मेले एवं भण्डारे का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विशाल भण्डारा (प्रसादी) एवं पटिया वाले बाबा (रतनदास महाराज जी) के दर्शन हेतु लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के विभिन्न प्रकार के वाहनों से आने की प्रबल संभावना है, श्रद्धालुओं के आवागमन को दृष्टिगत रखते हुये यातायात का सुचारू रूप से संचालन हो सके, इस हेतु डायवर्सन रूट प्लान तैयार किया गया है, जिससे कि आमजन को आवागमन में असुविधा न हो सके ।

आमजन के लिये यातायात पुलिस की मार्ग व्यवस्था

ग्वालियर एवं बानमौर से करह धाम जाने का रास्ता

ग्वालियर तरफ से आने वाले श्रद्धालुओं के लिये करहधाम जाने हेतु टेकरी तिराहा से होकर जाने वाला मुख्य मार्ग निर्धारित किया गया है। अतः सभी श्रद्धालुगण करहधाम पहुंचने हेतु टेकरी तिराहा होते हुये मुख्य मार्ग का उपयोग करेंगें।

मुरैना से करह धाम जाने का रास्ता

मुरैना तरफ से आने वाले श्रद्धालुओं के लिये करहधाम जाने हेतु टेकरी तिराहा से होकर जाने वाला मुख्य मार्ग निर्धारित किया गया है। अतः सभी श्रद्धालुगण करहधाम पहुंचने हेतु टेकरी तिराहा होते हुये मुख्य मार्ग का उपयोग करेंगें।

करह धाम आश्रम से ग्वालियर, बानमौर एवं मुरैना आने का रास्ता

करहधाम से वापस बामौर-ग्वालियर जाने वाले वाहन सीतापुर तिराहे होते हुये पमाया रोड होकर बामौर - ग्वालियर पहुंचेगें ।

करहधाम से मुरैना की ओर जाने वाले वाहन ग्राम धनेला होते हुये रामखिलाड़ी ढाबा एबी रोड होकर पहुंचेगें।

पार्किंग व्यवस्था

टेकरी तिराहा होते हुये मुख्य मार्ग से करहधाम तरफ जाने वाले श्रद्धालु अपने भारी वाहन तथा ट्रेक्टर-ट्रॉली, टाटा-407, केंटर, ट्रक, बस आदि सीतापुर तिराहा पर स्थित पार्किंग क्र. 03 में ही अपने वाहनों को पार्क करेंगें। दो पहिया एवं चार पहिया (हल्के एवं मध्यम वाहन) से आने वाले श्रद्धालु अपने वाहनों को करहधाम चौकी के पीछे स्थित पार्किंग क्र. 01 में पार्क करेंगें।

जौरा-सुमावली तरफ से आने वाले श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्किंग क्र. 02 में पार्क करेंगें।

सेव अर्थ मिशन का वैश्विक विज़न अनावरण – अगस्त 2025 से 60+ देशों में दुनिया का सबसे बड़ा वृक्षारोपण अभियान

अहमदाबाद। अहमदाबाद के गिफ्ट सिटी क्लब में आयोजित एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व कार्यक्रम में, सेव अर्थ मिशन – जो दुनिया का सबसे तेज़ी से बढ़ता पर्यावरणीय आंदोलन है – ने अपने %ग्लोबल विज़न% अभियान का औपचारिक अनावरण किया। इस विज़न का केंद्र बिंदु है- अगस्त 2025 से शुरू होने वाला 60+ देशों में एक साथ चलाया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा वृक्षारोपण अभियान।

इस घोषणा को सेव अर्थ मिशन के प्रमुख ग्लोबल विज़न अनवीलिंग कार्यक्रम के दौरान साझा किया गया, जहाँ वैश्विक जलवायु नेता, सरकारी प्रतिनिधि, छात्र, नवप्रवर्तक और पर्यावरणविद एकत्र हुए। इस बहुराष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य है – करोड़ों लोगों को तत्काल जलवायु कार्रवाई के लिए एकजुट करना, पेड़ लगाना, पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करना और नेट ज़ीरो भविष्य की नींव रखना।

वैश्विक आंदोलन की शुरुआत

सेव अर्थ मिशन पहले ही 1 घंटे में 500,000 से अधिक पेड़ लगाकर गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बना चुका है। अब संगठन इसका विस्तार करते हुए महाद्वीपों पर अपने स्वयंसेवकों को सक्रिय करेगा और 2040 तक 30 अरब पेड़ लगाने के लक्ष्य को आगे बढ़ाएगा।

इस महाअभियान में शामिल होंगे

- पहले चरण में 60+ देश
- क्षेत्रानुसार देशी पौधों का चयन
- जियो-टैगिंग और रियल-टाइम ट्रैकिंग
- सरकारों, NGO, कॉर्पोरेट्स और स्थानीय समुदायों का सहयोग
- वैश्विक काउंटडाउन अभियान और जागरूकता कार्यक्रम

नेतृत्व की प्रतिक्रिया

÷यह अब केवल एक अभियान नहीं रहा, यह एक ग्रहव्यापी क्रांति है,÷ सेव अर्थ मिशन - इंडिया के अध्यक्ष **संदीप चौधरी** ने कहा। ÷हम सिर्फ पेड़ नहीं लगा रहे, हम आशा बो रहे हैं। अगस्त में पूरी दुनिया एक साथ आगे बढ़ेगी – टोक्यो के स्कूलों से लेकर दुबई के रेगिस्तान तक, हिमालयी गांवों से लेकर न्यूयॉर्क के पार्कों तक।÷

वैश्विक हैशटैग और पहुंच

यह आंदोलन निम्नलिखित वैश्विक हैशटैग्स के तहत चलाया जाएगा-

#OneTreeOneWorld | #EkPedGlobalMission | #EarthUnited | #EkPedMaaKeNaam

आगे क्या?

अगस्त 2025 से, विश्व अब तक का सबसे बड़ा एकसाथ वृक्षारोपण अभियान देखेगा। सरकारें, कॉर्पोरेट्स, छात्र और नागरिक भाग लेने हेतु निम्न वेबसाइट पर पंजीकरण कर सकते हैं-

www.saveearthmission.org

मीडिया संपर्क
प्रेस एवं मीडिया विभाग
media@saveearthmission.org
www.saveearthmission.org

परिवहन अधिकारी द्वारा राहवीर योजना का प्रचार-प्रसार किया गया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय द्वारा सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने वाले व्यक्ति के लिये विशेष योजना 'राहवीर' के प्रचार-प्रसार हेतु बुधवार को छौंदा टोल प्लाजा एन. एच.3 ए.बी.रोड. मुरैना पर परिवहन विभाग द्वारा मार्ग से गुजरने वाले यात्रीयों को योजना से संबधित विस्तृत जानकारी से अवगत कराया एवं मार्ग से गुजरने वाले यात्री वाहनों, माल वाहनों, ऑटो टेम्पों आदि पर योजना से संबधित जानकारी के स्टीकर / पेम्पेल्ट एवं बैनर लगाये जाकर प्रचार-प्रसार किया गया शैलेन्द्र सिंह भदौरिया, गोविन्द सिंह चौहान, आशीष शर्मा सहित अन्य कार्यालयीन कर्मचारी सहित ह्यद्ध स्टॉफ उपस्थित थे। परिवहन अधिकारी श्रीमती अर्चना परिहार ने बताया कि राहवीर योजना रोड एक्सीडेंट के दौरान मृतकों की संख्या में कमी लाने के उद्देश्य से शासन द्वारा चलाई जा रही हैं। इस योजना अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति सडक दुर्घटना मे गंभीर रूप से घायल को गोल्डन हावर (दुर्घटना के 1 घंटे के अंदर) अस्पताल पहुंचाएगा तो उसको 25 हजार रूपये नगद मिलेंगे, साथ ही प्रमाण-पत्र भी दिया जावेगा। उक्त राहवीरों मे से ही सबसे योग्य 10 लोगों को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रूपये और मिलेंगे। उक्त योजना मे प्रति व्यक्ति को साल मे सिर्फ 5 प्रकरणें मे अवार्ड दिया जा सकेगा।व्यक्तियों का चयन कलेक्टर की अध्यक्षता वाली कमेटी करेगी। उक्त योजना की अवधि 31 मार्च 2026 तक है। जरूरी जानकारी पुलिस, अस्पताल से प्राप्त की जायेगी।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए नगदी रहित उपचार स्कीम 2025

पीड़ित व्यक्ति को दुर्घटना दिनांक से अधिकतम 7 दिवस की अवधि मे नामनिर्दिष्ट अस्पताल मे उपचार कराने पर अधिकतक 1.5 लाख तक का उपचार निःशुल्क उपलब्ध कराया जावेगा।

हिट एण्ड रन योजनाः यदि किसी व्यक्ति की अज्ञात वाहन की टक्कर से दुर्घटनाग्रस्त होकर घायल होता है तो वह हिट एण्ड रन मोटर एक्सीडेंट स्कीम के तहत मुआवजा हेतु आवेदन पेश कर सकता है। इस हेतु वह संबंधित क्षेत्र के एसडीएम जो कि इस योजनान्तर्गत दावा जाँच अधिकारी है उनके समक्ष अपील प्रस्तुत कर सकता है। उक्त निधि मे गंभीर घायल व्यक्ति को 50000/- एवं दुर्घटना मे मृत्यु होने की स्थिति में 2 लाख तक का मुआवजा शासन द्वारा पीड़ित / परिवार को उपलब्ध कराया जावेगा।

.......शेष पृष्ठ एक का

परमार्थ न्यास के सेवाभावी लोगों को सम्मानित करेंगे न्यायाधिपति श्री जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी

परमार्थ न्यास में सभी मरीजों का इलाज पूर्णतः निःशुल्क होता है । यहां नशा मुक्ति के लिए विशेष रूप से प्रयास किए जा रहे हैं जिसके तहत प्रत्येक रविवार को 30 से लेकर करीब 50 मरीज़ तक बीड़ी, सिगरेट, शराब छोड़कर संकल्प लेकर अपनी नशा सामग्री को वही छोड़ जाते है । इस नशा सामग्री का 31 मई जो विश्व तंबाकू निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है उस दिन अर्थी बनाकर इस दाह संस्कार किया जाता है। वहीं परमार्थ न्यास में दीन स्वरूप में भगवान को कृत्रिम दांतों का सेट, चश्मे एवं वस्त्र भी उपहार में दिए जाते हैं। यह समस्त सेवा पूर्ण तरह निःशुल्क है, जिसमें पर्चा बनने से लेकर दवाइ वितरण, जांचों की सुविधा, ई.सी.जी , ब्लड प्रेशर, शुगर एवं समस्त उपचार जिसमें दंत शल्य क्रिया चिकित्सा भी शामिल है । अन्य जटिल समस्याओं के लिए मरीजों को ग्वालियर, दिल्ली, आगरा भेजा जाता है, जहां उनका निःशुल्क उपचार कराया जाता है। डॉ. संजय शर्मा संचालक परमार्थ न्यास ने बताया कि प्रयास यही है कि जा मरीज धन के अभाव में उपचार से छूटे हुए हैं जिनकी नर्सिंग होम्स में प्राइवेट चिकित्सकों के पास जाने की हिम्मत नहीं है ऐसे समस्त मरीजों को भगवान श्री सीताराम जी के रूप में आदर सहित उपचार प्रदान किया जा सके और इस चेतना ने बहुत लोगों को इस सेवा में साथ जोड़ दिया है अब ये चेतना बहुत बड़े स्वरूप में मुरैना से होकर चित्रकूट तक पहुंच गई है आशा है कि इस तरीके का यह कार्य आगे जाकर एक बड़ा स्वरूप ग्रहण करेगा इस सेवा में पूरा प्रयास इस बात का है कि किसी भी दीन स्वरूप में आए हुए मरीज़ जो की भगवान के रूप में आ रहे हैं उनका अपमान ना हो इसीलिए रविवार के दिन कोई भी परिचित, वीआईपी, रिश्तेदार, मित्र भी उसी भाव से उसी आदर के साथ नंबर लगा कर ही उपचार पाते हैं और इस बात को मानते हैं कि यहां किसी भी दीन का अपमान नहीं हो सकता ।मेरा निवेदन है कि इस सेवा में हमारे समस्त पत्रकार बंधू जिन्होंने परमार्थ न्यास के पहले दिन शुरू होने से लेकर और आज दिनांक तक सदैव अपनी भावनाओं, श्रद्धा ओर भक्ति से इस कार्य को सदेव जन जन तक पहुँचाया है। हम सभी जन से आशा करते हैं कि सदव भगवान के पवित्र कार्य में अआप अपनी आहुति डालकर मदद करते रहेंगें।

पवित्र नगरी अमरकंटक में गुरु पूर्णिमा पर आश्रमों में भक्तिपूर्वक होगा गुरुपूजन

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर नगर के विभिन्न आश्रमों में शिष्यों एवं भक्त श्रद्धालुओं द्वारा परंपरागत धार्मिक विधि-विधान से गुरु पूजन एवं पादुका पूजन किया जाएगा। इस अवसर पर नगर में व्यापक तैयारियां की गई हैं तथा विभिन्न आश्रमों में भक्तों की भीड़ उमड़ने की संभावना है।

कल्याण सेवा आश्रम में आश्रम प्रमुख तपस्वी संत बाबा कल्याण दास जी महाराज अपने शिष्यों के बीच उपस्थित रहेंगे। दूर-दराज से शिष्य एवं श्रद्धालु आश्रम में पहुंचना प्रारंभ कर चुके हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन प्रातःकाल पादुका पूजन एवं गुरु पूजन के साथ विशाल भंडारा (प्रसादी) का आयोजन होगा। शांति कुटी आश्रम में 4 जुलाई से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा प्रारंभ हो चुकी है, जिसका वाचन पं. श्रीकांत शास्त्री कर रहे हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन आश्रम परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

मार्कंडेय आश्रम में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी रामकृष्णानंद जी महाराज के शिष्यों एवं भक्तों द्वारा गुरु पूजन एवं पादुका पूजन किया जाएगा। इस अवसर पर भोजन प्रसादी भी कराई जाएगी।

नगर परिषद कार्यालय के समीप लगे विशाल पंडाल में राष्ट्र संत परम पूज्य चिन्मयानंद बापू जी का गुरु पूर्णिमा महोत्सव 10 जुलाई, गुरुवार को आयोजित होगा। इस अवसर पर प्रातःकाल से पादुका पूजन, गुरु पूजन एवं दीक्षा कार्यक्रम होंगे। यहां सात दिवसीय संगीत मय शिव महापुराण कथा का आयोजन चल रहा है, जिसके यजमान छत्तीसगढ़ मस्तूरी निवासी किशोर तिवारी एवं किरण तिवारी सपत्नीक हैं।

गौरतलब है कि आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा पर अमरकंटक के विभिन्न आश्रमों एवं स्थलों पर भक्ति,साधना और अध्यात्म से जुड़ी विशेष धार्मिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली का उल्लंघन पाए जाने पर 6 दवा दुकानों की अनुज्ञप्ति निलंबित

– औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी ने पारित किए आदेश

अनूपपुर। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली 1945 के नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर जैतहरी स्थित मेसर्स लाइफ केयर मेडिकोज,अनूपपुर स्थित मेसर्स आकांक्षा मेडिकल स्टोर, कोतमा कालरी भालूमाड़ा स्थित मेसर्स रियान मेडिकोज, तहसील जैतहरी के आदर्श ग्राम सिवनी स्थित मेसर्स आर के मेडिकोज, कोतमा स्थित मेसर्स राजेश मेडिकल स्टोर्स तथा अनूपपुर स्थित मेसर्स अमृत फार्मा का आकस्मिक निरीक्षण औषधि निरीक्षक अनूपपुर द्वारा किया गया था। निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टोर्स में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली 1945 के नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर जाँच प्रतिवेदन तैयार कर औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन अनूपपुर को प्रेषित किया गया था। जिसमें औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा संबंधित मेडिकल स्टोर्स के संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। संचालकों को जारी नोटिस का जवाब समाधानकारक एवं संतोषजनक नहीं पाए जाने के कारण औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन जिला अनूपपुर द्वारा मेसर्स राजेश मेडिकल स्टोर्स के संचालक को स्वीकृत थोक औषधि विक्रय अनुप्तियां निरस्त एवं स्वीकृत फुटकर औषधि विक्रय अनुज्ञप्तियां 15 दिवस के लिए निलंबित की गई है। इसी प्रकार नोटिस का जवाब समाधानकारक एवं संतोषजनक नही दिए जाने के कारण औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा मेसर्स लाइफ केयर मेडिकोज के संचालक को स्वीकृत फुटकर औषधि विक्रय अनुज्ञप्तियां 10 दिवस के लिए, मेसर्स आकांक्षा मेडिकल स्टोर के संचालक को स्वीकृत फुटकर औषधि विक्रय अनुज्ञप्तियां 7 दिवस के लिए, मेसर्स रियान मेडिकोज के संचालक को स्वीकृत फुटकर औषधि विक्रय अनुज्ञप्तियां 5 दिवस के लिए, मेसर्स आर के मेडिकोज के संचालक को स्वीकृत फुटकर औषधि विक्रय अनुज्ञप्तियां 7 दिवस के लिए तथा मेसर्स अमृत फार्मा के संचालक को स्वीकृत फुटकर औषधि विक्रय अनुज्ञप्तियां 5 दिवस के लिए निलंबित किए गए हैं। निलंबन अवधि में संचालकों को किसी भी प्रकार से औषधियों का क्रय-विक्रय नही किए जाने व मेडिकल स्टोर का संचालन बंद रखे जाने के आदेश दिए गए हैं। आदेश में संबंधितों को निर्देशित किया गया है कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 का पालन सुनिश्चित किया जाए।

विभिन्न विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

अनूपपुर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर माया विश्वलाल के निर्देशानुसार नालसा (बच्चों के लिए बाल-अनुकूल कानूनी सेवाएं) योजना, 2024 एवं नालसा (डीएडब्ल्यूएन-नशा मुक्त भारत के लिए नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता और कल्याण मार्गदर्शन) योजना, 2025 के संबंध में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमगवां,सरस्वती शिशु मंदिर अमगवां,शासकीय हाईस्कूल मौहरी,सोनम सिंधु शिशु पूर्व मा.विद्यालय मौहरी एवं शासकीय पूर्व मा.वि.सेन्दुरी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविरों में न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर विनोद कुमार वर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल, पैरालीगल वालेंटियर सहित विद्यालयों के प्राचार्य, प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण, विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विनोद कुमार वर्मा ने कहा कि बच्चों के लिए बाल-अनुकूल कानूनी सेवाएं योजना शारीरिक और मानसिक अपरिपक्वता के आधार पर बच्चों को विशेष देखभाल और सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चे या कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चे विशेष रूप से कमजोर होते है और उन्हें विशेष सुरक्षा और सहायता की आवश्यकता होती है। इस प्रकार, यह योजना ऐसे बच्चों के लिए न्यायिक प्रक्रियाओं को नेविगेट करने में मदद करने के लिए बच्चों के अनुकूल कानूनी सेवाओं तक पहुंच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल ने डीएडब्ल्यूएन-नशा मुक्त भारत के लिए नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता और कल्याण मार्गदर्शन योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना नशा मुक्त भारत अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाना, नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकना,नशा पीड़ितों को उपचार और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करना एवं एक स्वस्थ और नशा मुक्त समाज का निर्माण करना है।

जिला चिकित्सालय का कलेक्टर हर्षल पंचोली ने किया औचक निरीक्षण

–नवीन भवन में पीडियाट्रिक, गायनोलॉजी विभाग तथा ओपीडी शिफ्टिंग के दिए निर्देश

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिला चिकित्सालय अनूपपुर का कलेक्टर हर्षल पंचोली ने आज आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. एस.आर. परस्ते, डॉ. एस.सी. राय, डॉ. वीरेंद्र खेस, ऊर्जा विभाग के कार्यपालन यंत्री उपस्थित थे।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिला चिकित्सालय के सीएनसी वार्ड, पीएनसी वार्ड, एएनसी वार्ड का

निरीक्षण करते हुए जिला चिकित्सालय की साफ-सफाई व्यवस्था को और दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने मरीजों को सुलभ रूप से स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिला चिकित्सालय के नवीन भवन में अव्यवस्था मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई उन्होंने नए भवन में पेडियाट्रिक गायनोलॉजी विभाग तथा ओपीडी संचालन के लिए शिफ्टिंग की कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सिविल सर्जन को अभियान मोड में शिफ्टिंग की कार्यवाही करने तथा लिफ्ट के बेहतर संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नवीन भवन में मरीजों को किसी तरह से परेशान ना होना पड़े उसके लिए दिशा सूचक बोर्ड (लेवल) यथोचित स्थान पर लगाए जाने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान उन्होंने नवीन भवन में लगाई गई लिफ्ट तथा जिला चिकित्सालय परिसर में बनाए जा रही नवीन ट्रामा यूनिट भवन का भी निरीक्षण किया तथा कार्यों की गुणवत्ता के निर्देश दिए।

शराब के नशे में वाहन चलाने वाले तीनः ट्रक चालकों पर हुई कार्यवाही

–ड्रिंक एंड ड्राइव सड़क दुर्घटना का मुख्य कारण, जिस पर अंकुश लगाने चलाया जा रहा है अभियान

अनूपपुर। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशानुसार यातायात पुलिस अनूपपुर द्वारा लगातार वाहन चेकिंग के माध्यम से शराब के नशे में वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही की जा रही है।

01 जनवरी 2025 से 07 जुलाई 2025 तक 190 वाहन चालकों पर शराब के नशे में वाहन चलाने के कारण कार्रवाई की गई , जिस पर न्यायालय द्वारा 19 लाख 95000 का जुर्माना भी अधिरोपित किया गया। कल वाहन चेकिंग के दौरान ट्रक CG 04 PA 8775, CG 04 PH 7473, RJ11 GB 4106 के चालक शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए, जिनके विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जो न्यायालय द्वारा 31,000 का जुर्माना लगाया गया। वाहन चेकिंग कार्यवाही में यातायात पुलिस की सराहनीय भूमिका रही।

जिला मुख्यालय की चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था, मरीज और तीमारदारों की बढ़ीं परेशानियाँ

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–

बहराइच। जिला मुख्यालय पर स्थित मेडिकल कॉलेज एवं उससे संबद्ध अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं का हाल दिन पर दिन बदतर होता जा रहा है। दूर-दराज़ से इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके साथ आने वाले हजारों तीमारदारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों की बढ़ती संख्या, सीमित संसाधन और लचर प्रबंधन की वजह से हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि मरीजों को घंटों लाइन में खड़े रहकर पंजीकरण, जांच और इलाज का इंतजार करना पड़ता है। कई बार तो डॉक्टरों की अनुपलब्धता के चलते मरीजों को निराश होकर लौटना पड़ता है।

जांच में अनावश्यक देरी, इलाज में लापरवाही

मेडिकल कॉलेज में हर दिन सैकड़ों मरीज जांच के लिए आते हैं, लेकिन भारी-भरकम जांच प्रक्रिया और लंबी कतारों की वजह से उन्हें कोई ठोस राहत नहीं मिलती। जांच रिपोर्ट मिलने में अनावश्यक देरी हो जाती है, जिससे इलाज में भी बाधा उत्पन्न होती है। स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी और डॉक्टर मरीजों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। आरोप है कि जब कोई मरीज या उसका परिजन डॉक्टरों की मनमानी और लापरवाही का विरोध करता है, तो उन्हें बिना उचित इलाज के ही दूसरे अस्पताल में रिफर कर दिया जाता है।

कई चेतावनियों के बाद भी कोई सुधार नहीं

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा कई बार स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सख्त निर्देश दिए गए और चेतावनियां भी जारी की गईं। बावजूद इसके, अस्पताल प्रबंधन की कार्यशैली में कोई सुधार नहीं हो सका है। न तो डॉक्टरों की संख्या बढ़ाई गई और न ही मूलभूत सुविधाओं में कोई इजाफा किया गया।

श्री सुर्य विजय हनुमानजी मंदिर पर सुन्दरकाण्ड पाठ एवं हनुमान चालीसा व भजन संध्या

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–

देवास। श्री रणवीर हनुमान रामायण मंडल के अध्यक्ष अशोक जाट ने बतलाया कि बाबा सूर्य विजय हनुमानजी को प्रातः चोला चढ़ाया गया एवं बाबा का श्रृंगार किया गया। शाम को सुन्दरकाण्ड पाठ एवं हनुमान चालीसा व भजन संध्या श्री रणवीर हनुमान रामायण मंडल द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंडल के गायक कलाकार अशोक जाट, संतोष निगम, रामकृष्ण पटेल, सत्यनारायण वर्मा ने भजनों की प्रस्तुति दी। केसियो पर पंडित मुकेश शर्मा, ढोलक पर महेश पाटीदार ,कपिल कैथवास की उपस्थिति में संगीत मय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर के पंडित गणेश दुबे, अनिल विजयवर्गीय, जमनालाल वर्मा, संदीप शर्मा, श्री साईं संस्थान के अनुप पुरोहित, सोनु ठाकुर, विनिता व्यास जिलामंत्री , मंडल महामंत्री नितु जाधव, अनिता जाट, संतोष वर्मा, लक्ष्मी जाट, मनोज शर्मा, अजयसिंह ठाकुर, महेश वर्मा, मुकेश कारपेंटर, नवीन शर्मा, जितेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सोनी सब की पौराणिक महागाथा 'वीर हनुमान' ने पूरे किए 100 गौरवपूर्ण एपिसोड

मुंबई। सोनी सब के पौराणिक शो 'वीर हनुमान' ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 100 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। यह शो लगातार दर्शकों को भगवान हनुमान की यात्रा की प्रेरणादायक और प्रभावशाली कहानियों से समृद्ध करता आ रहा है। इस दिव्य गाथा के केंद्र में हैं आन तिवारी, जिनका बाल हनुमान के रूप में सजीव और भावपूर्ण अभिनय दर्शकों के दिल को छू गया है और जिन्होंने पराक्रम, भक्ति और धर्म के गुणों को जीवंत किया है। शो में सायली सालुंखे माता अंजनी के रूप में, आरव चौधरी राजा केसरी के रूप में, माहिर पांधी बाली और सुग्रीव की दोहरी भूमिका में, और तन्मय ऋषि भगवान राम के रूप में नज़र आते हैं। इस खास मौके को सेलिब्रेट करते हुए, पूरी टीम ने सेट पर एक साथ आकर केक काटा और इस उपलब्धि को उत्साह और आत्मीयता से मनाया। टीम ने दर्शकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि उन्हें आगे भी ऐसा ही प्यार और समर्थन मिलता रहेगा।

बाल हनुमान का किरदार निभा रहे आन तिवारी ने कहा, ''मुझे बहुत खुशी हो रही है कि हमारा शो 100 एपिसोड पूरे कर चुका है! हनुमान जी का किरदार निभाते हुए मैंने बहादुरी और दया सीखी है। जब लोग हमें देखकर मुस्कराते हैं, तो बहुत गर्व महसूस होता है।''

भगवान राम का किरदार निभा रहे तन्मय ऋषि ने कहा, ''ये जानकर बहुत अच्छा लगता है कि हमने 100 एपिसोड पूरे कर लिए हैं! मुझे इस शो में काम करके भगवान राम के जीवन के बारे में जानने और अभिनय करने में बहुत मज़ा आता है। सभी दर्शकों का धन्यवाद जो हमें रोज़ देखते हैं!''

राजा केसरी की भूमिका निभा रहे आरव चौधरी ने कहा, ''100 एपिसोड पूरे करना हम सभी के लिए एक दिल छू लेने वाली उपलब्धि है। 'वीर हनुमान' की कथा हर आयु वर्ग के लिए प्रेरणादायक है, और हनुमान जी के पिता केसरी का किरदार निभाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है, क्योंकि मैं स्वयं हनुमान जी का भक्त हूं। दर्शकों के प्रेम और टीम की मेहनत का आभारी हूं, जिसकी वजह से हम यहां तक पहुंचे हैं।''

देखिए 'वीर हनुमान', सोमवार से शनिवार, रात 7:30 बजे, सिर्फ सोनी सब पर

निगम उपायुक्त श्री जाफरी ने किया जिला पशु चिकित्सालय का निरीक्षण

दुर्घटनाग्रस्त गायों के उपचार स्थल में विशेष स्वच्छता बनाए रखने के दिए निर्देश

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–

देवास। बुधवार को निगम उपायुक्त जाकिर जाफरी ने उज्जैन रोड स्थित जिला पशु चिकित्सालय परिसर में स्थित श्वान बधियाकरण केंद्र और दुर्घटनाग्रस्त गायों के उपचार स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉक्टर एस.के. श्रीवास्तव भी साथ थे। उपायुक्त श्री जाफरी ने श्वान बधियाकरण केंद्र पर फिनाइल साबुन सहित अनावश्यक सामग्री तत्काल

उपलब्ध कराने,पिंजरो कि मरम्मत व मुख्य द्वार को ठीक करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। हांका गैंग दरोगा आमीन शेख को आवारा श्वानों को पकड़कर उन्हें बधियाकरण केंद्र पर पहुंचाने हेतु आदेशित किया। उन्होंने कहा कि विशेषकर वर्षाऋतु में गायों के बैठने के लिए सुखे स्थान की व्यवस्था करें। उपायुक्त ने दुर्घटनाग्रस्त गायों के उपचार स्थल पर उपयंत्री को वर्षाजल की निकासी सुनिश्चित करने और पेवर ब्लॉक लगाने के निर्देश दिए और अभिलेखो को भी देखा। निरीक्षण के दौरान डॉ. संजीव कुमरे,नगर निगम पशु चिकित्सक डॉ. सुश्री उर्वशी चौधरी, निगम मुख्य स्वच्छता निरीक्षक हेमंत उबनारे, रवि कृष्ण गोयनर, डॉग कैचिंग दरोगा सोनू डूमाने उपस्थित रहे।

शीलनाथ धुनी संस्थान पर आज मनाया जाएगा गुरू पूर्णिमा उत्सव

देवास। मल्हार रोड स्थित सद्गुरू योगेन्द्र श्रीमंत शीलनाथ धुनी संस्थान पर गुरू पूर्णिमा उत्सव इस गुरूवार को पारंपरिक रूप से धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। ट्रस्ट प्रबंधक दिलीप शर्मा ने बताया कि इस खास दिन पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे भक्तगण पुण्य लाभ अर्जित कर सकेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 7.30 बजे गुरू महाराज का अभिषेक-पूजन और पादुका पूजन से होगी। इसके बाद, प्रातः 9.30 बजे महाआरती का आयोजन किया जाएगा। साथ ही प्रसादी का वितरण होगा। इस दौरान जिसमें भक्तगण गुरू महाराज के चरणों में अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। रात्रि 7.30 बजे विशेष आरती का आयोजन होगा, जिसके पश्चात शीलनाथ भजन मण्डल द्वारा निगुर्णी भजन संध्या का आयोजन भी होगा। धुनी संस्थान ट्रस्ट अध्यक्ष अजीत भल्ला, ट्रस्टीय भगवान सिंह चावड़ा, महेन्द्र सिंह पडियार, महंत राजेन्द्रदास जी, विधिक सलाहकार जयंत विपट, पूर्व प्रबंधक सुरेश गोखले, सुभाष यादव, सुभाश वर्मा, जयसिंह चौबदार, मंथन पडियार, सुन्नु पडियार और पंडित गिरीश चौधरी ने नगरवासियों से अपील की है कि वे इस पवित्र अवसर पर मल्हार धुनी संस्थान में पधार कर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

गुरु ग्रंथन का सार है, गुरु है प्रभु का नाम, गुरु अध्यात्म की ज्योति है, गुरु हैं चारों धाम

सूफी संत शिरोमणि कबीरदास जी के अनुसार

''गुरु कुम्हार शिष्य कुंभ है, गढ़ि-गढ़ि काढ़ै खोट। अंतर हाथ सहार दे, बाहर मारे चोट।''

उपरोक्त पंक्तियाँ अनायास ही उस सद्गुरु के प्रति अंतस को पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान से ओतप्रोत करने की ओर आकर्षित करतीं हैं, बस हमारे अंदर गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण का भाव होना चाहिए। गुरु पारब्रह्म परमेश्वर से साक्षात्कार एवं जीवन के आवागमन से मुक्ति तथा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करते है। गुरु की महिमा शब्दों में व्यक्त नही की जा सकती, क्योंकि

गुरु कोई व्यक्ति नहीं, कोई शरीर नहीं, गुरु एक तत्व है, एक शक्ति है। गुरु यदि शरीर होता, तो इस छोटी-सी दुनिया में, एक ही गुरु पर्याप्त होता। गुरु एक भाव है, गुरु श्रद्धा है। गुरु समर्पण है। आपका गुरु आपके व्यक्तित्व का परिचय है। कब कौन, कैसे आपके लिये गुरु साबित हो, यह आप की दृष्टि एवं मनोभाव पर निर्भर करता है। गुरु प्रार्थना से मिलता है। गुरु समर्पण से मिलता है, गुरु दृष्टा भाव से मिलता है, गुरु किस्मत से मिलता है। और.... गुरु किस्मत वालों को मिलता है।

गुरु की वाणी ब्रह्मवाणी, गुरु के वचन महामंत्र होते हैं। सद्गुरु आपके जीवन की साधना है और अंत में वे ही साध्य के रूप में प्राप्त होते हैं।

भगवान शिव ने गुरु को 'ब्रह्म' कहकर परिभाषित किया है। शास्त्रों के अनुसार 'गु' का अर्थ बताया गया है- अंधकार और 'रु' का का अर्थ है अंधकार दूर करने वाला प्रकाश पुंज। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह आपके जीवन के अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। पौराणिक लेखों में- 'आचार्य देवोभव' कह कर गुरु की महिमा का वर्णन किया गया है। संत समाज में गुरु की विशेष महत्ता है। नानकदेव जी ने गुरु को 'वेदोवत' माना है। पैगम्बर हजरत मोहम्मद ने मोमिनो को उपदेश दिया कि बिना सद्गुरु के विद्या की प्राप्ति नही होती।

गोस्वामी तुलसीदास जी ने गुरु को ऐसे परिभाषित किया है।

''बंदउँ गुरु पद कंज कृपा सिंधु नररूप हरि।''

''महामोह तम पुंज जासु बचन रवि कर निकर।''

मैं गुरु महाराज के चरण कमल की वंदना करता हूँ, जो कृपा के समुद्र और ''नर रूप में श्री हरि ही हैं'' और जिनके वचन महामोह रूपी घने अन्धकार का नाश करने के लिए सूर्य किरणों के समूह हैं।

वैदिक ग्रंथों में शिव को माना जाता है 'पहला गुरु'। शनि और परशुराम इनके दो शिष्य हैं। शिवजी ने ही सबसे पहले धरती पर सभ्यता और धर्म का प्रचार-प्रसार किया था इसलिए उन्हें 'आदिदेव' और 'आदिगुरू' कहा जाता है।

सद्गुरु विना आत्मबोध नहीं

बच्चे को जन्म भले ही मां-बाप देते हों लेकिन उसको जीवन का अर्थ और इस

आज गुरु पूर्णिमा पर विशेष

गुरुपूर्णिमा पर 'गुरुवार' का अद्भुत संयोग

संसार के बारे में समझाने का कार्य गुरु ही करता है। क्योंकि जिस प्रकार से ब्रह्म जीव का सृजन करते हैं, ठीक उसी प्रकार से गुरु शिष्य का सृजन करते हैं। हमारी आत्मा ईश्वर रूपी सत्य का साक्षात्कार करने के लिए बेचैन है और ये साक्षात्कार ''वर्तमान शरीरधारी पूर्ण सद्गुरु'' के मिले बिना संभव नहीं है, इसीलिए हर जन्म में वो गुरु की तलाश करती है। यदि शिष्य के अंदर शिष्यत्व का भाव पनप गया हो तो गुरु स्वयम ही उसे ढूंढने आ जाते है। जैसे श्री रामकृष्ण परमहंस ने विवेकानंद, समर्थ गुरु रामदास जी ने 'शिवाजी चाणक्य' ने 'चंद्रगुप्त', प्राणनाथ ने छत्रसाल,कंकदेव ने कृष्णदेव राय को इसी प्रकार खोज था।

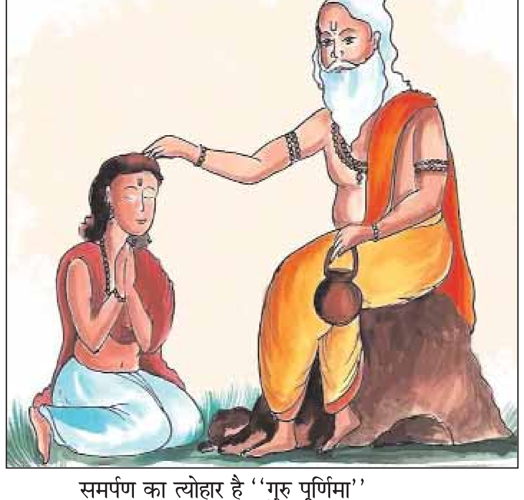

शिष्य के इसी समर्पण विलय एवं आस्था में ही 'शिष्योहम' अथार्त 'शिष्य हूँ' का महामंत्र गूंजता है। ऐसी ही पूर्ण आस्था एवं समर्पण का त्योहार है ''गुरु पूर्णिमा''

गुरु पूर्णिमा पर छलकता है अमृत कलश। संसार के सारे नाते स्वार्थ के है परंतु गुरु शिष्य का नाता आत्मा से होता है,जो इस प्रेममयी धारा में बहता है वही करता है अमृत कलश का पान

गुरु पूर्णिमा का महत्व

'महर्षि वेदव्यास' का जन्म आषाढ़ पूर्णिमा को लगभग 3000 ई. पूर्व में हुआ था। उनके सम्मान में ही हर वर्ष आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा मनाई जाती है। वेद, उपनिषद और पुराणों के रचयिता करने वाले वेद व्यास जी को समस्त मानव जाति का गुरु माना जाता है। बहुत से लोग इस दिन व मठों और आश्रमों में लोग ब्रह्मलीन संतों की मूर्ति या समाधी की पूजा करते हैं।

गुरु पूर्णिमा पूजन दिनांक एवं समय

वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, दिन गुरुवार संवत् 2082 धनुराशि,पूर्वाषाढ़ नक्षत्र दिनांक 10 जुलाई 2025 को मनाई जाएगी

पूर्णिमा तिथि प्रारम्भः 10 जुलाई को रात 1 बजकर 36 मिनट पर

पूर्णिमा समाप्त

11 जुलाई को रात 2 बजकर 06 मिनट पर

गुरुवार और गुरु पूर्णिमा का अत्यंत दुर्लभ संयोग

यह संयोग अत्यधिक शुभ माना जाता है। जब गुरुवार, जो कि बृहस्पति ग्रह और विष्?णु भगवान को समर्पित दिन होता है, और गुरु पूर्णिमा, जो ज्ञान, उपासना और श्रद्धा का पर्व है, एक साथ आते हैं, तो यह काल धार्मिक अनुष्ठानों के लिए सर्वश्रेष्ठ हो जाता है। इस विशेष दिन श्री सत्यनारायण भगवान की कथा का आयोजन करने से जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता मिलती है।

गुरु पूजन कैसे करें

- सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें।
- पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल छिड़कें।
- गुरु या उनके चित्र की पूजा करें।
- गुरु को फूल, फल, मिठाई, चावल, हल्दी, चने की दाल और मुनक्का चढ़ाएं।
- दीपक जलाएं और धूप-दीप दिखाएं।
- गुरु के चरण स्पर्श करके उनका आशीर्वाद लें।
- गुरु को यथाशक्ति वस्त्र द्रव्य इत्यादि उपहार भेंट करें।
- गुरु मंत्र का जाप करें।
- दान-दक्षिणा करें।

जन्मकुंडली में अशुभ गुरु हेतु उपाय

गुरु दोष से मुक्ति पाने के लिए गुरु पूर्णिमा पर कुछ विशेष उपाय किए जा सकते हैं, जैसे गुरु यंत्र की स्थापना करना या हल्दी, पीली दाल, बेसन के लड्डू आदि का दान करना।

गुरु पूर्णिमा पर करे वास्तु की नकारात्मक ऊर्जा का शमन

हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार, पूर्णिमा का दिन विशेष महत्त्व रखता है। यह दिन बहुत ही पवित्र और शुभ माना गया है। पूर्णिमा के दिन पूरे घर में गंगा जल का छिड़काव करें। इससे घर की नकारात्मकता दूर होती है।

प्रस्तुति
पं. रमेश चौरसिया
ज्योतिर्विद एवं वास्तुविद

जिपं सीईओ ने कन्या माध्यमिक विद्यालय जौरा खुर्द व चम्बल कॉलोनी विद्यालय का औचक निरीक्षण किया

12 शिक्षकों सहित 01 भृत्य का एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना के मार्गदर्शन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव ने बुधवार को एकीकृत शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय जौरा खुर्द और शासकीय माध्यमिक विद्यालय चंबल कॉलोनी का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में साफ-सफाई नहीं पायी गई एवं बच्चों के बैठने की व्यवस्था अस्त-व्यस्त पायी गई। इस पर उन्होंने 12 शिक्षकों सहित 01 भृत्य का एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये।

जिला सीईओ ने एकीकृत शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय जौराखुर्द का निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय में साफ-सफाई न होने पर शिक्षिका श्रीमती आलोरिया निकुंज, माध्यमिक शिक्षक श्रीमती गीता त्रिपाठी, श्रीमती मेनका शर्मा, श्रीमती रीनू सिकरवार, श्रीमती नीलकमल दुबे, श्रीमती कोमल यादव, श्रीमती कल्पना सिकरवार, लोकेन्द्र सेंगर, श्रीमती कल्पना शर्मा, श्रीमती नीता गुप्ता, श्रीमती उर्मिला कुशवाह और भृत्य रामनरेश का एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये।

इसी प्रकार शासकीय माध्यमिक विद्यालय चंबल कॉलोनी मुरैना में विद्यालय का अभिलेख उपलब्ध नहीं कराने पर निरीक्षण में व्यवधान उत्पन्न हुआ। इस पर माध्यमिक शिक्षक श्री रामनरेश डंडोतिया का एक दिन का वेतन काटने के आदेश जारी किये हैं।

जिले में अब तक 350.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुरैना जिले में 01 जून से 09 जुलाई, 2025 तक 350.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो गत वर्ष की तुलना में 144.5 मिलीमीटर वर्षा अधिक है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 205.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई थी।

अधीक्षक भू-अभिलेख मुरैना ने बताया कि जिले में 01 जून से 09 जुलाई तक सर्वाधिक वर्षा मुरैना में 508 मिलीमीटर दर्ज की गई है। पोरसा में 404, सबलगढ़ में 376, जौरा में 313, कैलारस में 261 और अंबाह तहसील में सबसे कम 240.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

09 जुलाई, बुधवार को सर्वाधिक 21 मिलीमीटर वर्षा मुरैना में दर्ज की गई है। जौरा में 2, मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जबकि पोरसा, अंबाह, कैलारस और सबलगढ़ में पिछले 24 घंट में वर्षा निरंक बताई गई है।

कैलारस से ऋषिकेश गईं मां-बेटी गंगा नदी में डूबीं, रेस्क्यू जारी

संत दयारामदास महाराज के आश्रम पर गुरू पूर्णिमा में शामिल होने गए थे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। गुरू पूर्णिमा के मौके पर ऋषिकेश स्थित संत दयारामदास महाराज के आश्रम में आयोजित होने वाले गुरू पूर्णिमा महोत्सव में शामिल होने पहुंचीं महिला और उसकी पुत्री गंगा नदी में नहाते समय पानी में डूब गई। एसडीआरएफ के जवानों द्वारा रेस्क्यू अभियान चलाकर उनकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार मूलतः सुमावली क्षेत्र के सुसानी गांव के रहने वाले रामनिवास उपाध्याय बीते कई सालों से अपने परिवार के साथ कैलारस में रह रहे है। 7 जुलाई को रामनिवास की पत्नी श्रीमती ऊषा देवी के साथ मनीष पुत्र रामनिवास, श्रीमती मनु 40 पत्नी मनीष उपाध्याय, कुं. गौरी 18 पुत्री मनीष उपाध्याय और मनीष का पुत्र अपने गुरू दयारामदास महाराज के आश्रम पर 10 जुलाई को होने वाले गुरू पूर्णिमा महोत्सव में शामिल होने घर से निकले थे। वे सभी ऋषिकेश में संत दयारामदास महाराज के आश्रम पर ठहरे हुए थे। 9 जुलाई बुधवार की सुबह जब वे नहाने के लिए गंगा नदी के घाट पर पहुंचें थे। तभी नहाते समय पानी के तेज बहाव में मनु उपाध्याय और उसकी पुत्री गौरी उपाध्याय बह गए। घाट पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर बाद एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान शुरू कर उनकी तलाश शुरू कर दी। देर शाम तक रेस्क्यू अभियान चल रहा था। नदी में डूबीं मनु और उसकी पुत्री गौरी को पानी से बाहर निकाला नहीं जा सका

गैपरा धाम में आज मनेगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव, तैयारियां पूर्ण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। सर्वशक्ति साधना मंडल निखिल धाम जी गैपरा के पीठाधीश्वर परम पूज्य गुरुदेव संत शिरोमणि, अखंड मंडलाकार, महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद जी महाराज के पावन सानिध्य में 10 जुलाई गुरुवार को निखिल धाम गैपरा में गुरु पूर्णिमा महोत्सव, गुरु शिष्य मिलन एवं गुरु दीक्षा कार्यक्रम सुबह 9:00 बजे से प्रारंभ होगा। संस्था सचिव प्रदीप यादव ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया के दिनांक 10 जुलाई गुरुवार को परम पूज्य गुरुदेव स्वामी पंचमानंद जी महाराज के द्वारा प्रातः 6:00 बजे से रत्न निखिलेश्वर महादेव पर महारुद्राभिषेक, भजन, पूजन, अर्चना कर प्रारंभ होगा। सुबह 9:00 बजे से परम पूज्य गुरुदेव के श्री मुख से मंगलमय प्रवचन आशीर्वचन भजन कीर्तन कर गुरु पूजन गुरु दीक्षा तत्पश्चात 12:00 बजे से अमृतमयी में प्रसादी पान करें। आश्रम मंडल द्वारा कार्यक्रम पूर्व समस्त व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। परम पूज्य गुरुदेव एवं आश्रम व्यवस्थापक मंडल द्वारा समस्त गुरु भाई-बहनों एवं धर्मावलंबियों को समय पूर्व आश्रम पर आश्रम गणेश में पहुंचकर कार्यक्रम में सहयोग करने की अपील की है।

मुरैना पुलिस-प्रशासन द्वारा 10 आदतन अपराधियों के विरूद्ध जिलाबदर आदेश जारी किया गया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पुलिस अधीक्षक जिला मुरैना समीर सौरभ (भापुसे) द्वारा जिला मुरैना के समस्त थाना क्षेत्र के ऐसे आपराधिक तत्वों जिनके विरूद्ध 04 या 04 से अधिक अपराध पंजीबद्ध हैं एवं उनके द्वारा विगत 02 वर्षों की अवधि में कोई अपराध कारित किया गया है। ऐसे अपराधियों के विरूद्ध जिलाबदर की कार्यवाही किये जाने हेतु विशेष अभियान चलाया जाकर जिले के समस्त थाना प्रभारीगण जिला मुरैना को निर्देशित किया गया।

उक्त अभियान के तारतम्य में संबंधित थाना प्रभारियों की ओर से प्राप्त जिलाबदर प्रकरण के अवलोकन उपरांत प्रस्ताव आवश्यक कार्यवाही हेतु कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी, मुरैना की ओर भेजे गए। पुलिस अधीक्षक मुरैना द्वारा प्रेषित प्रस्तावों पर सहमति व्यक्त करते हुए एवं उक्त अपराधियों की आपराधिक, असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से लोक व्यवस्था एवं जनसाधारण के हित में अंकित अस्थाना कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी मुरैना द्वारा म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3 सहपठित धारा 5,6 में निहित प्रावधानों के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कुल 10 आदतन अपराधियों को 01 वर्ष की अवधि के लिए जिला मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, श्योपुर एवं भिण्ड की सीमा से बाहर करते हुए जिलाबदर आदेश पारित किया गया है। इस अवधि में उनके जिले में प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा एवं आदेश का उल्लंघन करने पर उनके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उक्त आदतन अपराधियों के विरूद्ध मारपीट, शराब तस्करी, हत्या का प्रयास, फायरिंग, आर्म्स एक्ट जैसे कई प्रकरण पूर्व से पंजीबद्ध हैं, जिनका विवरण निम्नानुसार हैः-

हेमंत उर्फ बड़े बाल्मीक पुत्र राकेश उम्र 33 साल नि. बाल्मीक गली उत्तमपुरा मुरैना, निर्भय सिंह सिकरवार पुत्र स्व. विजय सिंह उम्र 32 साल निवासी तालपुर मुरैना, राधाकृष्ण पुत्र रघुवीर शर्मा उम्र 32 साल निवासी ग्राम कुम्हेरी, बागचीनी, सुरेश पुत्र वीर सिंह उम्र 58 साल निवासी ग्राम रंछोर का पुरा गलेथा थाना बागचीनी, बालस्टर पुत्र हरी सिंह सिकरवार उम्र 58 साल निवासी ग्राम रंछोर का पुरा गलेथा थाना बागचीनी सरायछौला, भूरा उर्फ पहलवान गुर्जर पुत्र रामभरोषी गुर्जर उम्र 40 साल निवासी जैतपुर सरायछौला मुरैना, दुर्गेश उर्फ पिल्लू नाई पुत्र शिरोमणि श्रीवास उम्र 25 साल निवासी गुधौनिया थाक अम्बाह, संतोष उर्फ पुच्चो चौहान पुत्र अनैक सिंह चौहान उम्र 24 साल निवासी ग्राम दोहरी थाना अम्बाह, सुनील सिंह तोमर पुत्र जितवार सिंह उम्र 45 साल नि. ग्राम बरेह, अम्बाह उमेश उर्फ फोदा शर्मा पुत्र महेश उम्र 24 साल निवासी ग्राम जल का नगरा

सबलगढ़ में रोजगार मेले का आयोजन आज

मुरैना। शासन के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव के मार्गदर्शन में रोजगार मेले का आयोजन 11 जुलाई तक अलग-अलग विकासखण्डों में निर्धारित किया गया है। यह रोजगार मेला प्रातः 10 से सायं 04 बजे तक आयोजित किये जायेंगे। जिनमें सबलगढ़ विकासखंड का रोजगार मेला जनपद पंचायत हॉल सबलगढ़ में 10 जुलाई को सुबह 10 से सायं 04 बजे आयोजित होगा।

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए **श्रावण मास में काँवड़ मेला** के अवसर पर **दिनांक 11.07.2025 से 24.07.2025 तक** के लिये **रायवाला/मोतीचूर/ज्वालापुर स्टेशनों** पर निम्नलिखित रेलगाड़ियों का अस्थाई ठहराव प्रदान किये जाने का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	आवृत्ति	स्टेशन पर ठहराव	ठहराव का समय आगमन	ठहराव का समय प्रस्थान
14113	सूबेदारगंज-देहरादून एक्सप्रेस	प्रतिदिन	रायवाला	11:14	11:16
			मोतीचूर	11:04	11:06
			ज्वालापुर	10:43	10:45
14309	उज्जैन-देहरादून एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन	रायवाला	17:35	17:37
			मोतीचूर	17:00	17:02
			ज्वालापुर	15:53	15:55
14317	इन्दौर-देहरादून एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन	रायवाला	17:35	17:37
			मोतीचूर	17:00	17:02
			ज्वालापुर	15:53	15:55
19565	ओखा-देहरादून एक्सप्रेस	साप्ताहिक	रायवाला	17:35	17:37
			मोतीचूर	17:00	17:02
			ज्वालापुर	15:53	15:55
14114	देहरादून-सूबेदारगंज एक्सप्रेस	प्रतिदिन	रायवाला	14:15	14:17
			मोतीचूर	14:34	14:36
			ज्वालापुर	15:15	15:17
14310	देहरादून-उज्जैन एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन	रायवाला	07:08	07:10
			मोतीचूर	07:24	07:26
			ज्वालापुर	07:52	07:54
14318	देहरादून-इन्दौर एक्सप्रेस	सप्ताह में दो दिन	रायवाला	07:08	07:10
			मोतीचूर	07:24	07:26
			ज्वालापुर	07:52	07:54

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1199/25(A)

भारत विकास परिषद ने किया दायित्व ग्रहण समारोह का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारत विकास परिषद शाखा मुरैना द्वारा सत्र 2025-2026 की कार्यकारिणी की दायित्व ग्रहण समारोह

का आयोजन गर्ग सेवा सदन जीवाजी गंज मुरैना में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सी एस पी श्रीमति दीपाली चंदेरिया मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की मुख्य बातें

- मुख्य अतिथि ने भारत विकास परिषद के कार्यक्रमों की सराहना की और कहा कि इस परिषद के किसी भी कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। - प्रांतीय गतिविधि संस्कार संयोजक श्री पाठक ने सभी कार्यकारणी के सदस्यों को शपथ दिलाई।
- भारत विकास परिषद शाखा मुरैना में 8 नए सदस्यों को सदस्यता दिलाई गई। - भारत विकास परिषद मध्य भारत उत्तर प्रांत के अध्यक्ष अमित जैन ने भारत विकास परिषद के बारे में जानकारी दी और बताया कि संस्था 5 मूल सूत्रों पर काम करती है।

नई कार्यकारणी

- श्रीमति अर्चना पवन शर्मा को अध्यक्ष पद पर शपथ दिलाई गई।
- श्रीमति रजनी राम गुप्ता को सचिव पद पर शपथ दिलाई गई।
- श्रीमति वीणा नीरज मोदी को कोषाध्यक्ष पद पर शपथ दिलाई गई।

आगामी कार्यक्रम

नयी अध्यक्ष अर्चना शर्मा ने पूरे साल के होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी।- भारत विकास परिषद शाखा मुरैना के सभी सम्माननीय सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मंदिर श्री बिहारी जी महाराज सराफा बाजार की जिला स्तरीय देव स्थान प्रबंध समिति का गठन

मुरैना। उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर में दायर रिट पिटीशन के तहत मंदिर श्री बिहारी जी महाराज सराफा बाजार नगर मुरैना और उससे जुड़ी समस्त संपत्ति की देखभाल करने, मंदिर में आयोजित होने वाले नियमित, साप्ताहिक, मासिक एवं वार्षिक मेलो, त्यौहारों के लिए कलेक्टर अंकित अस्थाना ने समिति का गठन किया है। यह रिट पिटीशन कुलदीप शर्मा पुत्र मोहन लाल शर्मा द्वारा 31 अगस्त 2023 को लगाई गई थी।

जानकारी के अनुसार शासकीय देवस्थान प्रबंध समिति नियम 2019 में वर्णित बिन्दुओं के आधार पर मंदिर श्री बिहारी जी महाराज सराफा बाजार के लिए जिला स्तरीय देवस्थान समिति का गठन किया है। जिसमें पदेन अध्यक्ष कलेक्टर मुरैना होंगे। पदेन सदस्य के रूप में पुलिस अधीक्षक, सीईओ जिला पंचायत, अपर कलेक्टर, आयुक्त नगर निगम, अनुविभागीय अधिकारी मुरैना, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, सीएमएचओ, सहायक संचालक जनसम्पर्क, तहसीलदार मुरैना को नियुक्त किया है। जबकि नामांकित सदस्यों में शनि मंदिर पुजारी और श्री बिहारी जी मंदिर सराफा बाजार मुरैना को नियुक्त किया है। सदस्य/सचिव के रूप में प्रभारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर/संयुक्त कलेक्टर (माफी औकाफ अथवा देवस्थान शाखा) को नियुक्त किया है।

मुरैना। विधायक दिनेश गुर्जर द्वारा चंबल कॉलोनी में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर तृतीय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रामनरेश दंडोतिया, पीए संजू चौधरी एवं चंबल कॉलोनी स्कूल के शिक्षक एवं बच्चे उपस्थित थे।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.- JHS/Comm/e-Auction/25/118 दिनांक : 07.07.2025

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती हैः-

श्रेणी	केटलोग संख्या	एसेट्स डिटेल्स
पार्सल	JHS-LEASING-42	1. ट्रेन संख्या-12198 में 02 एसएलआर-एफ-I & एफ-II. 2. ट्रेन संख्या-11086 में 01 एसएलआर-आर-I

ई-नीलामी प्रारम्भ होने की तिथि व समय : दिनांक 22.07.2025 को समय- 11:00 से

ई-नीलामी समाप्त होने की तिथि व समय : दिनांक 22.07.2025 को समय- 11:50 तक

नोट- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट-www.ireps.gov.in के e-auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 1184/25 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

शिक्षा के प्रकाश से जीवन को आलोकित करने वाले
गुरूओं का आभार व्यक्त करती मध्यप्रदेश सरकार की अनूठी पहल

गुरु पूर्णिमा महोत्सव

कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय, भोपाल का लोकार्पण

एवं

विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल वितरण शुभारंभ कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

10 जुलाई, 2025 । दोपहर 12:30 बजे
कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय, भोपाल

तपोधरा मध्यप्रदेश ऋषि परंपरा की जीवंत धरोहर है। भारतीय संस्कृति में गुरु को ईश्वर से भी बड़ा माना गया है। हमारा प्रदेश महर्षि सांदीपनि, जगतगुरु श्रीकृष्ण एवं अनेक कालजयी गुरुओं जैसे महर्षि वेद व्यास, अत्रि, अगस्त्य, च्यवन ऋषि, परशुराम, विश्वामित्र, दत्तात्रेय, ऋषि जाबाली, गालव ऋषि, पतंजलि, महावीर स्वामी, आदिशंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ, भर्तृहरि, चार्वाक, भरतमुनि, श्री वल्लभाचार्य, स्वामी हरिदास, गुरु नानकदेव, संत सिंगाजी, सेन भगत, संत रविदास, स्वामी जदरूप आदि की तपोभूमि और कर्मस्थली रही है। उनके तप, त्याग और ज्ञान से हमारे देश-प्रदेश ने सदैव ही दिशा पाई है। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर हम उन सभी पूज्य गुरुओं का सादर वंदन करते हैं। सभी प्रदेशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक मंगलकामनाएं।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP D11061/25

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मैं. गुरूकृपा प्रकाशन प्रेस टीआईटी कॉम्पलैक्स मुरैना से मुद्रित एवं प्रकाशित, आरएनआई नं. MPHIN/2003/09780
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, सहायक संपादक गोपाल सिकरवार 9826949508, महाप्रबंधक श्याम शिवहरे सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरैना न्यायालय होगा।